सिविल सर्विसेज मिनर्वा

सामान्य अध्ययन

वर्ष 9, अंक 4, अप्रैल, 2014

मूल्य : 50 रुपये

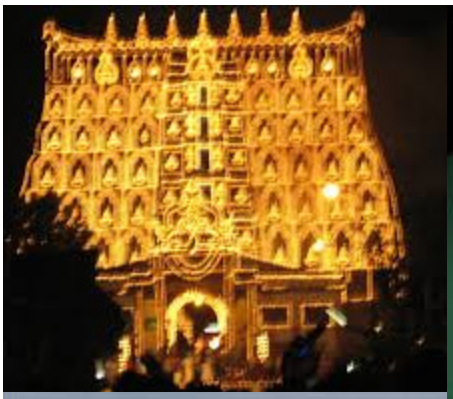

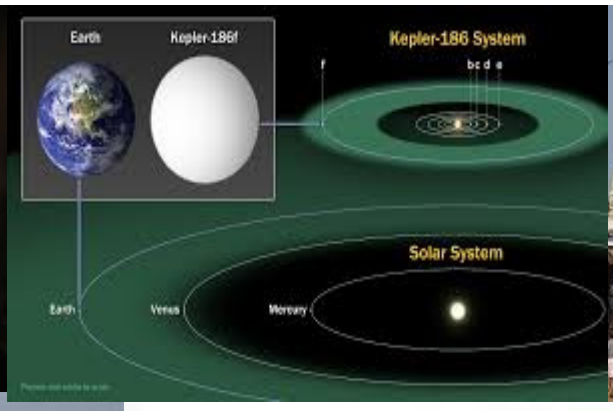

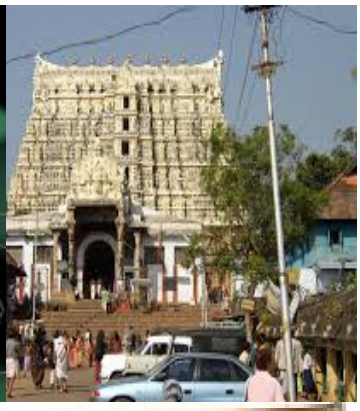

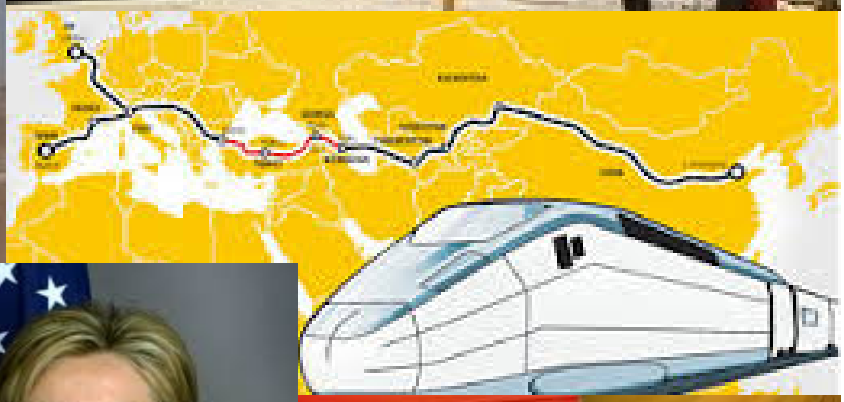

अनुक्रमणिका

राष्ट्रीय समसामयिकी
पद्मनाभस्वामी मंदिर 4
ऐतिहासिक ग्रंथ अकबरनामा एवं शाहनामा नीलाम हुई 4
अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में पहली यात्री ट्रेन सेवा शुरू की गयी 4

अंतरराष्ट्रीय समसामयिकी
मिस्र में 683 लोगों को एक साथ फांसी की सजा 5
दक्षिण कोरिया में एक जहाज दक्षिणी पश्चिमी समुद्री तट के करीब डूब गया 5
फिलीपींस और संयुक्त राज्य अमेरिका ने 10 वर्षीय रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए 5
टाइम पत्रिका ने 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की 6
चीन एवं यूरोप के मध्य रेलसेवा प्रारंभ 6
रूस, यूक्रेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के मध्य यूक्रेन संकट सुलझाने संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर 6
समझौते के मुख्य बिंदु 6

भारत और विश्व
प्रवासी भारतीय कामगारों हेतु यूएई में महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना प्रारंभ 7
वृद्धावस्था पेंशन 7
रिटर्न और रिसेटलमेंट बचत 7
बीमा सुरक्षा 7
एमजीपीएसवाई में प्रवासी मामले के मंत्रालय का योगदान 7
भारत और भूटान 7

अर्थव्यवस्था/वाणिज्य
वैश्विक सूचना तकनीकी (ग्लोबल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) रिपोर्ट 2014 8
सेबी ने कॉरपोरेट गवर्नेंस मानदंडों का विस्तृत विवरण जारी किया 8
सेबी ने भारतीय ग्लोबल इंफोमीडिया पर 15.5 करोड़ का जुर्माना लगाया 8
बासेल समिति ने ग्राहकों के लिए बैंकों के ऋण जोखिम पर अंकुश लगाने के लिए अंतिम मानक जारी किए 8
विज्ञान और प्रौद्योगिकी 10
केपलर–186एफ नामक ग्रह की खोज नासा के वैज्ञानिकों ने की 10
मिसाइल रोधी पृथ्वी डिफेंस वीइकल (पीडीवी) का सफल परीक्षण 10
पुटनिसाइट खनिज 10

पर्यावरण/पारिस्थितिकी
राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन को आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति की मंजूरी 11
हरियाणा में प्रतिहार–काल की 1000 वर्ष पुरानी टकसाल प्राप्त हुई 11
आईयूसीएन रेड लिस्ट ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे किए 11
वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक में भारत को मिला 155वां स्थान 11
ईपीआई की अन्य विशेषताएँ 11

पुरस्कार/सम्मान
'कनाडा इंडिया फाउंडेशन चंचलानी ग्लोबल इंडियन अवार्ड' 12
'72वें मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार' 12
दादा साहब फाल्के पुरस्कार 12
एमएस सुब्बालक्ष्मी पुरस्कार 2014 13
एमएस सुब्बालक्ष्मी पुरस्कार की अन्य श्रेणियां 13
पुलित्जर पुरस्कार 2014 13
61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 13
61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की सूची 13

दिवस/सप्ताह/वर्ष
विश्व मलेरिया दिवस 15
इंटरनेशनल मदर अर्थ डे (अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस) 15
विश्व स्वास्थ्य दिवस 15

पुस्तकें
''हार्ड च्वाइसेस'' 16
''क्रूसेडर ऑर कॉन्सपिरेटर'' 16
'लोलैंड' 16

सम्मेलन/समारोह
बिम्सटेक सम्मेलन 2014 17
वर्ष 2015 के राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन (चोगम) की मेजबानी दक्षिण यूरोपीय देश माल्टा को सौंपी गई 17

पदत्याग/पदमुक्त
चुंग हॉंग वोन 18
विक गंडोत्रा 18

समिति/आयोग
के एस राधाकृष्णन समिति 18

चर्चित व्यक्ति
मोहम्मद बदी 19
रस्किन बांड 19
जॉन 23वें एवं जॉन पॉल द्वितीय 19
संत सिंह चटवाल 19

निर्वाचित/नियुक्त
राजीव सूरी 20
मोहम्मद अकरम 20
सुरेश कुमार रेड्डी 20
राजेंद्र मल लोढा 20
एडमिरल आरके धवन 21
विक्टर ऑर्बन 21
मैरी लुईस कोलेइरो प्रेका 21

निधन/मृत्यु
अलबेला खत्री 22
वी. के. मूर्ति 22

खेल/खिलाड़ी
इंडिया सुपर सीरीज बैडमिंटन 23
'चौथा राष्ट्रीय पुरुष जूनियर हॉकी खिताब 2014' 23
श्रीलंका ने टी–20 वर्ल्ड कप पर कब्जा किया 23

Editorial and Corporate Office
Rajrooppur, Allahabad
RNI
UPHINDI/2005/26617
Publisher, Editor and Owner
Dheer Singh Rajput
Allahabad; Year 9, Issue 4, April, 2014
Place of Publication & Registerd Office
331è240 A, Stainly Road, Nayapura, Allahabad (UP)
Printing Press & Address
Academy Press Daraganj, Allahabad (UP)
Website : www.developindiagroup.com
E-mails : civilservicesminerva@gmail.com

संपादकीय और कॉरपोरेट ऑफिस
राजरूपपुर, इलाहाबाद
आरएनआई
UPHINDI/2005/26617
प्रकाशक, संपादक, और स्वामी
धीर सिंह राजपूत
इलाहाबाद, वर्ष 9, अंक 4, अप्रैल, 2014
प्रकाशन का स्थान और रजिस्टर्ड ऑफिस
331 / 240 ए, स्टैनली रोड, नयापुरा, इलाहाबाद (उ.प्र.)
प्रिंटिग प्रेस का पता
एकेडमी प्रेस, दारागंज, इलाहाबाद (उ.प्र.)
वेबसाइट : www.developindiagroup.com
ई–मेल : civilservicesminerva@gmail.com

Read

Only in 500/- per year

Develop India

http://www.developindiagroup.co.in/

Develop India

Only in 500/- per year

Online Subscription

http://www.developindiagroup.co.in/

राष्ट्रीय समसामयिकी

पद्मनाभस्वामी मंदिर

सर्वोच्च न्यायालय ने 24 अप्रैल 2014 को पद्मनाभस्वामी मंदिर के विशेष लेखा जांच का आदेश जारी किया.

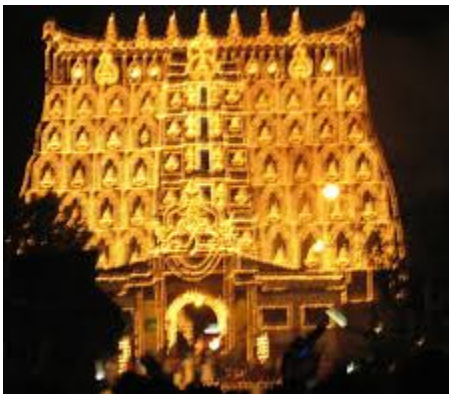

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आर.एम. लोधा व न्यायमूर्ति ऐ.के. पटनायक की खंडपीठ ने भारत के पूर्व नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) विनोद राय को पद्मनाभस्वामी मंदिर के संपत्ति का विशेष लेखा जांच करने हेतु नियुक्त किया. इसके साथ ही साथ सर्वोच्च न्यायालय ने पद्मनाभस्वामी मंदिर की तिजोरियों की चाभी तिरुअनंतपुरम के जिला जज को सौंपने का आदेश दिया तथा पद्मनाभ स्वामी मंदिर की व्यवस्था सुधारने के लिए तिरुअनंतपुरम के जिला जज की अध्यक्षता में चार सदस्यीय प्रशासनिक समिति का गठन भी किया.

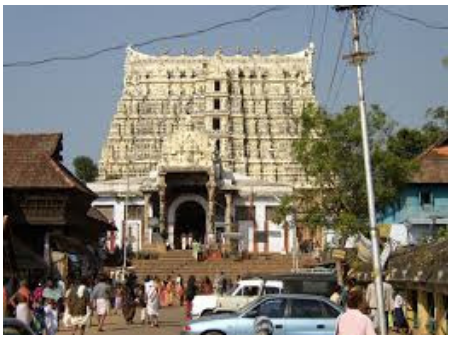

विदित हो कि सर्वोच्च न्यायालय ने उपरोक्त आदेश पद्मनाभस्वामी मंदिर के हालात का जांच कर लौटे वरिष्ठ अधिवक्ता न्यायमित्र गोपाल सुब्रमण्यम की रिपोर्ट देखने के बाद जारी किए. न्यायमित्र गोपाल सुब्रमण्यम ने मंदिर में भारी अव्यवस्था और गंदगी के अलावा खजाने की सुरक्षा को लेकर भी आशंका जताई थी. उन्होंने कोर्ट से तत्काल कुछ अंतरिम आदेश जारी करने का आग्रह किया था. जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने मंदिर के ट्रस्टी राज परिवार के राम वर्मा और केरल सरकार की दलीलें सुनने के बाद अंतरिम आदेश जारी किए.

ज्ञातव्य हो कि केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में स्थित पद्मनाभ स्वामी मंदिर, भगवान विष्णु (हिन्दू धर्म) का मंदिर है. इस मंदिर को देश के सबसे धनी मंदिरों में से एक माना जाता है. यहां के खजाने में एक लाख करोड़ की संपत्ति होने का अनुमान है.

ऐतिहासिक ग्रंथ अकबरनामा एवं शाहनामा नीलाम हुई

9 अप्रैल 2014 को मुगल शहंशाह अकबर की जीवनी से जुडी दुर्लभ धरोहर अकबरनामा एवं फिरदौसी की शाहनामा की मूल प्रति नीलाम हुई. इंग्लैंड के 'बोनहम्स ऑक्शन हाउस' की ओर से की गई नीलामी में इसे किसी अनजान खरीददार ने खरीदा. नीलामी में अबुल फजल की अकबरनामा और फिरदौसी के शाहनामा सहित भारतीय चित्रकारों द्वारा बनाई गईं भारतीय संस्कृति व कला को दर्शाती पेंटिंग्स भी करीब 45 लाख पौंड में बिकीं. अकबरनामा की नीलामी से बोनहम्स को 1.38 करोड़ रुपये प्राप्त हुए वहीं, शाहनामा की बिक्री से करीब एक करोड़ रुपये मिले.

माना जाता है कि अकबरनामा लखनऊ रेजीडेंसी और एवं शाहनामा अवध के अंतिम नवाब की लाइब्रेरी से ईस्ट इंडिया कंपनी को मिला था. जिसे ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा ब्रिटेन ले जाया गया.

अकबरनामा मुगल बादशाह अकबर के दरबारी विद्वान अबुल फजल द्वारा फारसी में लिखा गया इतिहास प्रसिद्ध ग्रंथ है. श्अकबरनामाश का शाब्दिक अर्थ है – अकबर की कहानी. यह अकबर के शासन काल में लिखा गया प्रामाणिक इतिहास ग्रन्थ है. अबुल फजल ने वर्ष 1590 से 1596 के बीच तीन खंडों में अकबरनामा लिखा. सात वर्षो में तैयार हुए इसके पहले व दूसरे खंड में तैमूर की वंशावली, बाबर के साम्राज्य, हुमायूं व सूरी वंश और अकबर के साम्राज्य का वर्णन है. वहीं, तीसरे खंड में हिंदू विद्वान, कर प्रणाली, भूगोल, साम्राज्य और भारतीय कला व संस्कृति का वर्णन है. इन खंडों में 65 मुगलकालीन पेंटिंग्स भी शामिल हैं.

वहीं शाहनामा फारसी भाषा का एक महाग्रंथ है जिसके रचायिता फिरदोसी हैं. इसमें ईरान पर अरबी फतह (सन् 636) के पूर्व के शासकों का चरित्र लिखा गया है. खघेरासान के महमूद गजनी के दरबार में प्रस्तुत इस किताब को फिरदौसी ने 30 साल की मेहनत के बाद सन् 1010 में तैयार किया था. इसमें मुखयतः दोहे हैं, जो दो मुख्य भागों में विभक्त हैं – मिथकीय (या कवि–कल्पित) और ऐतिहासिक सासानी शासकों से मेल खाते.

अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर में पहली यात्री ट्रेन सेवा शुरु की गयी

7 अप्रैल 2014 को अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर को पहली यात्री ट्रेन की सेवा शुरू की गयी. इसके साथ ही ईटानगर भी गुवाहटी के बाद पूर्वोत्तर राज्यों की दूसरी राजधानी बनकर देश के रेलवे मानचित्र में शामिल हो गया है. डीजल इंजन से चलने वाली इस ट्रेन में दस यात्री बोगियां और दो मालवाहक डिब्बे लगे हैं. यह सवारी गाड़ी सुबह डेकारगांव से चलकर दोपहर साढ़े बारह बजे नाहरलगुन पहुंची। इस दौरान ट्रेन ने 181 किलोमीटर की दूरी तय की और इसमें लगभग 400 यात्री सवार थे. सीडी शर्मा ने डेकारगांव से नाहरलगुन के लिए 35 रुपये मूल्य का पहला टिकट खरीदा.

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 31 जनवरी 2008 को राज्य के लिए अपने पैकेज में रेलगाड़ी सेवा की घोषणा की थी. इंजन का पहला ट्रायल रन हरमुट्टी से नाहरलगुन के बीच 14 जनवरी 2014 को किया गया था. इसके अलावा, इस लाइन का निरीक्षण योजना आयोग के सदस्य (नॉर्थ ईस्ट और पावर) बीके चतुर्वेदी के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय टीम द्वारा 17 जनवरी, 2014 को किया गया था.

अंतरराष्ट्रीय समसामयिकी

मिस्र में 683 लोगों को एक साथ फांसी की सजा

वकीलों का कहना है कि जिन 683 लोगों को ये सजा सुनाई गई है उसमें मुस्लिम ब्रदरहुड के नेता मोहम्मद बदी भी शामिल हैं. बदी और अन्य पर 2013 में मीन्या में एक पुलिस स्टेशन पर हमला करने का आरोप है. जिसमें एक पुलिसकर्मी मारा गया था. ये सभी पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद मुर्सी के समर्थक हैं.

मामले और सुनवाई की गति की मानवाधिकार संगठनों और संयुक्त राष्ट्र ने आलोचना की है. मानवाधिकार वॉच के अनुसार, प्रत्येक पर सुनवाई में कुछ घंटे का वक्त ही दिया गया और अदालत ने उनके मामले पेश करने से बचाव पक्ष के वकीलों को रोका.

पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार आयुक्त ने दो सुनवाइयों की निंदा की और कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन किया गया है.

पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद मुर्सी को सेना के द्वारा जुलाई में सत्ता से हटाए जाने के बाद सैकड़ों मारे जा चुके हैं और सैकड़ों की गिरफ्तारी हो चुकी हैं.

इसी अदालत ने पिछले साल 529 लोगों को दी गई फांसी की सजा में से 492 को उम्र कैद में बदल दिया.

द सोसाइटी ऑफ मुस्लिम ब्रदर्स अर्थात द मुस्लिम ब्रदरहुड, विश्व का सर्वाधिक प्रभावशाली एवं सबसे बड़े इस्लामी आंदोलनों, में से एक है। यह कई अरब राष्ट्रों में सबसे बड़ा राजनैतिक विरोध संगठन है। इसकी स्थापना सन 1928 में एक पैन–इस्लामिक धार्मिक, राजनैतिक एवं सामाजिक आंदोलन के रूप में एक इस्लामिक शास्त्री एवं अध्यापक हसन अल–बन्ना के द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के अंत में की गई थी, और इसकी अनुमानित सदस्य संख्या 20 लाख है।

जुलाई 2013 में मुहम्मद मुर्सी की सरकार के खिलाफ मिस्र की जनता सड़क पर उतर आई थी, जिसके बाद सेना ने उन्हें सत्ता से हटा दिया। मोरसी का समर्थन करने वाले मुस्लिम ब्रदरहुड संगठन को आतंकी संगठन घोषित कर दिया गया।

मार्च 2014 को मुस्लिम ब्रदरहुड संगठन के 529 सदस्यों को मिस्र के मिन्या शहर की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई। ये पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मद मुर्सीके समर्थक थे। इन लोगों पर एक पुलिसवाले की हत्या और आम लोगों पर हमला करने का आरोप था।

मोहम्मद बदी मिस्र की मुस्लिम ब्रदरहुड नामक पार्टी के प्रमुख नेता हैं। उन्होंने 2010 से अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम ब्रदरहुड संस्था की मिस्र शाखा का नेतृत्व किया है। जनरल गाइड बनने से पहले बदी 1996 से समूह की संचालन परिषद, गाइडेंस ब्यूरो के सदस्य थे। उन्हें 20 अगस्त 2013 को मिस्र के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। 28 अप्रैल 2014 को उन्हें अन्य 682 लोगों के साथ फांसी की सजा सुनाई। ये सभी लोग मिश्र के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद मुर्सी के समर्थक हैं। बदी पर 2013 में मीन्या में एक पुलिस स्टेशन पर हमला करने का आरोप है। इस हमले में एक पुलिसकर्मी मारा गया था।

बदी का जन्म औद्योगिक नगर अल–महल्ल अल कुब्रा में 7 अगस्त 1943 को हुआ। उन्होंने 1965 मे पशु चिकित्सा में डीग्री प्राप्त की।

दक्षिण कोरिया में एक बहुमंजिला जहाज दक्षिणी पश्चिमी समुद्री तट के करीब डूब गया

दक्षिण कोरिया में 16 अप्रैल 2014 की सुबह एक बहुमंजिला जहाज दक्षिणी पश्चिमी समुद्री तट के करीब डूब गया। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई जबकि 290 यात्री लापता हैं। सरकार ने 55 लोगों के घायल होने की पुष्टि कर दी है। जहाज पर 459 लोग सवार थे। इनमें से ज्यादातर हाईस्कूल के छात्र थे, जो एक द्वीप पर छुट्टी मनाने जा रहे थे।

बचाव कार्य में नौसेना गोताखोरों सहित बचाव टीमें जुटी हुई हैं। यह 1993 के बाद दक्षिण कोरिया में सबसे बड़ी नौका दुर्घटना है। लगभग 31 साल पहले हुई उस दुर्घटना में 292 लोगों की मौत हुई थी। सियोल में पत्रकारों को सुरक्षा और लोक प्रशासन उपमंत्री ली ग्योंग ओग ने बताया कि 292 लोगों का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। इस नाव पर 325 छात्र, 15 अध्यापकों के अलावा 89 अन्य लोग सवार थे। पहले सरकार ने घोषणा की थी कि 368 लोगों को बचाया जा चुका है, लेकिन बाद में केवल 164 लोगों को सुरक्षित लाने की पुष्टि की गई। अब इस बात की आशंका जताई जा रही है कि मृतकों की संख्या काफी बढ़ सकती है। अधिकारियों को अंदेशा है कि इनमें ज्यादातर लोग जहाज में फंसे हो सकते हैं। टेलीविजन के फुटेज में खौफजदा यात्री जीवन रक्षक जैकेट पहने बचाव नौकाओं पर चढ़ने के लिए संघर्ष करते दिखे। इन्हें नजदीकी जिंदो द्वीप पर ले जाया गया है। सरकार ने 160 कोस्ट गार्ड और नौसेना के गोताखोरों की टीम खोज अभियान में लगाई है। सरकार ने बताया कि इस छोटे जहाज की क्षमता 921 लोगों की थी। चूंकि इस इलाके में पानी काफी ठंडा है। इसलिए दो घंटे से ज्यादा पानी में रहने पर लोगों को हाइपोथर्मिया भी हो सकता है।

फिलीपींस और संयुक्त राज्य अमेरिका ने 10 वर्षीय रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए

28 अप्रैल 2014 को फिलीपींस और संयुक्त राज्य अमेरिका ने 10 वर्षीय रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए. फिलीपींस के रक्षा मंत्री वॉल्टेयर गज्मीं (टवसजंपतम ळंउपद) और अमेरिकी राजदूत फिलिप गोल्डबर्ग (चैपसपच ळवसकइमतह) ने रक्षा संधि पर हस्ताक्षर किए.

इस सैन्य समझौते के तहत फिलीपींस के क्षेत्र में अधिक अमेरिकी सैन्य उपस्थिति की अनुमति के साथ ही अमेरिका को अनिवार्य रूप से देश भर में फैले फिलीपीन सैन्य ठिकानों के उपयोग की अनुमति प्राप्त हो जाएगी. हालांकि,इस समझौते में फिलीपींस में अमेरिका के ठिकानों को दोबारा खोलने की अनुमति नहीं है.

यह समझौता संयुक्त राज्य अमेरिका को कुछ उपकरणों के भंडारण की अनुमति देगा जो विशेषतया प्राकृतिक आपदाओं के मामलों में अमेरिकी सुरक्षा बलों को तेजी से गतिशील होने में मदद करेगा. यह समझौता केवल एक रूपरेखा करार है.

यह समझौता बराक ओबामा की अमेरिकी सेना और आर्थिक हितों के लिए एशिया पर ध्यान केन्द्रित करने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता हैं.

संयुक्त राज्य अमेरिका और फिलीपींस बहुत समय से पारस्परिक रक्षा समझौता द्वारा बाध्य दीर्घकालिक सहयोगी हैं. वर्ष 1992 तक दो सबसे बड़े विदेश में अमेरिकी सैन्य अड्डें फिलीपींस में ही स्थित थे.

फिलीपींस अपनी कमजोर सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने एवं जबकि दक्षिण चीन सागर के कुछ हिस्सों को लेकर चीन के साथ प्रतिस्पर्धी

दावों के कारण गहरे तनाव के समय में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों पर जोर देने के लिए यह समझौता करने को उत्सुक था.

टाइम पत्रिका ने 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की

24 अप्रैल 2014 को अमेरिका की टाइम पत्रिका ने दुनिया के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची जारी की. पत्रिका ने यह सूची बिना किसी रैंकिंग के जारी की है और इसमें चार भारतीय शामिल हैं. इस वार्षिक सूची में अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा, चीन के राष्ट्रपति जी झिंगपिंग, ग्रैमी पुरस्कार विजेता कलाकार बियॉन्से, अमेरिकी विदेश मंत्री जॉन केरी, हिलेरी क्लिंटन, पोप फ्रांसिस, रूसी राष्ट्रपति वाल्दिमिर पुतिन, एडवर्ड स्नोडेन, जापान के प्रधानमंत्री शींजो एबे और पाकिस्तान की शैक्षिक कार्यकर्ता मलाला यूसुफजई भी शामिल हैं.

सूची में शामिल चार भारतीय हैं –

- भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी.
- आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल
- लेखिका अरुंधती राय.
- कोयंबटूर की स्वास्थ्य कार्यकर्ता अरुणाचलम मुरुगननाथम.

टाइम ने मोदी को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने को तैयार फूट डालने वाला राजनेता कहा है. अरविंद केजरीवाल को भारतीय राजनीति में एक शक्तिशाली बाहरी व्यक्ति के रूप में वर्णित किया है जो आधुनिक भारतीय राजनीतिज्ञों के विपरीत है.

अरुणाचलम मुरुगननाथम को अद्वितीय स्वास्थ्य संशोधक बताया है जिसने अपनी पत्नी की मदद करने के लिए कम लागत वाली सेनेटरी पैड बनाने वाली मशीन के आविष्कार को जन्म दिया.

अरुंधति रॉय उपन्यासकार हैं जिन्हें भारत की आत्मा के तौर पर बताया गया है.

सूची में कुछ सितारों के भी नाम शामिल हैं. यथा–ऑस्कर पुरस्कार विजेता कलाकार मैथ्यू मैक्कोनॉघे, हाउस ऑफ कार्ड्स के स्टार रॉबिन राइट, और पुलित्जर पुरस्कार विजेता लेखन डोन्ना टार्ट्ट, अभिनेता और फिल्म निर्माता रॉबर्ट रेडफोर्ड, ग्रैविटी के निदेशक अल्फांसो काउरॉन और 12 ईयर्स ए स्लेव के निर्देशक स्टीव मैक्क्वीन.

चीन एवं यूरोप के मध्य रेलसेवा प्रारंभ

चीन एवं यूरोप के मध्य 23 अप्रैल 2014 को वुहान–शिजियांग–यूरोप रेलमार्ग सेवा प्रारंभ हो गई. इस रेल सेवा के प्रारंभ पर मध्य चीन के वुहान शहर से एक रेल मालगाड़ी यूरोप के पोलैंड में स्थित लोड्ज के लिए रवाना हुई.

वुहान–शिजियांग–यूरोप रेलमार्ग प्रबंधन समिति के निदेशक यू शिपिंग के अनुसार, वुहान–शिजियांग–यूरोप रेलमार्ग चीन–यूरोप व्यापार प्रसार नीति का हिस्सा है जिसके माध्यम से सस्ते एवं सुलभ माल ढुलाई की सुविधा उपलब्ध कराना है.

विदित हो कि वुहान–शिजियांग–यूरोप रेलमार्ग सेवा अक्टूबर 2012 में ही प्रारंभ की गई थी लेकिन सीमा शुल्क से संबंधित स्पष्ट नीतियों के अभाव के कारण इसे बंद कर दिया गया था. जिसे पुनः शुरू किया गया है. चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार रेल मालगाड़ी कजाखिस्तान, रूस और बेलारूस होते हुए 15 दिनों में पोलैंड पहुंचेगी.

चीन का पूरा नाम 'चीनी जनवादी गणराज्य' है जिसे प्रायः चीन नाम से भी सम्बोधित किया जाता है. यह पूर्वी एशिया में स्थित एक देश है. 1.3 अरब निवासियों के साथ यह विश्व का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है. 9641144 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के साथ यह रूस और कनाडा के बाद विश्व का तीसरा सबसे बड़ा क्षेत्रफल वाला देश भी है.

चीन की सीमा से लगते देशों की संख्या विश्व में सर्वाधिक (रूस के बराबर) है, जो इस प्रकार है (उत्तर से दक्षिण) – रूस, मंगोलिया, उत्तर कोरिया, वियतनाम,लाओस, म्यान्मार, भारत, भूटान, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ताजिकिस्तान, किर्गिस्तान, और कजाखिस्तान. उत्तर–पूर्व में जापान और दक्षिण कोरिया मुख्य भूमि से समुद्र द्वारा अलग है.

रुस, यूक्रेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ के मध्य यूक्रेन संकट सुलझाने संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर

17 अप्रैल 2014 को रूस, यूक्रेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ, यूक्रेन में जारी संकट सुलझाने संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए. इस समझौते पर इन देशों के विदेशमंत्रियों ने जिनेवा में एक बातचीत के दौरान हस्ताक्षर किए. बातचीत के दौरान इन देशों के विदेशमंत्रियों में निम्नलिखित बिन्दुओं पर सहमति बनी.

समझौते के मुख्य बिंदु

- यूक्रेन के सभी गैर कानूनी उग्रवादी समूहों को भंग किया जाए और उनके हथियार ले लिए जाएं.
- उग्रवादी समूहों को सभी इमारतों से अपना कब्जा हटाना होगा.
- चारों पक्ष सशस्त्र गुटों को भंग करने का आह्वान करने के साथ–साथ सभी नागरिकों की सुरक्षा बहाल करने के लिए कदम उठाने पर भी सहमत हुए.

विद्रोहियों की मांग के अनुसार अंतरिम प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने एक बयान जारी किया है कि

- यूक्रेन की सरकार एक व्यापक संवैधानिक सुधार करने के लिए तैयार है जिसमें स्थानीय शासन में क्षेत्रों की शक्तियों को सुरक्षित रखने का प्रावधान होगा.
- सरकार ने भी रूसी भाषा को विशेष दर्जा देने का वायदा किया है और रूसी भाषा बोलने वाले सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने की शपथ ली.

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने क्रीमिया को स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता देने वाले आदेश–पत्र पर मास्को के क्रेमलिन में 18 मार्च 2014 को हस्ताक्षर किए थे. इस हस्ताक्षर के बाद क्रीमिया का रूस में विलय कर लिया गया. इन घटनाओं के बाद से क्रीमिया संकट और गहरा गया. यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने इस जनमत–संग्रह को असंवैधानिक घोषित किया. क्रीमिया की संसद ने यूक्रेन से स्वतंत्र होने की घोषणा की और रूस में शामिल होने का अनुराध किया.

भारत और विश्व

प्रवासी भारतीय कामगारों हेतु यूएई में महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना प्रारंभ

प्रवासी भारतीय मामलों के मंत्रायल ने खाड़ी देशों के प्रवासी भारतीय कामगारों हेतु महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना (एमजीपीएसवाई) नाम की विशेष सामाजिक सुरक्षा योजना अप्रैल 2014 के चौथे सप्ताह में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु की. यह एक स्वैच्छिक योजना है जिसका लक्ष्य कामगारों को वृद्धावस्था पेंशन, जीवन बीमा योजना में शामिल होने हेतु प्रोत्साहित करना और सक्षम बनाना है.

यह योजना एनपीएस–लाइट (राष्ट्रीय पेंशन योजना) के माध्यम से उन्हें वृद्धावस्था के लिए पेंशन बचाने, उनकी वापसी और पुनर्वास के लिए बचत करने तथा निःशुल्क जीवन बीमा कवर हासिल करने में मदद करती है, मंत्रालय भी पांच साल की अवधि तक अथवा कामगारों की भारत वापसी तक,जो भी पहले हो, इस योजना में सह–योगदान देगा.

महात्मा गांधी प्रवासी सुरक्षा योजना (एमजीपीएसवाई) द्वारा यूएई में प्रारंभ की गई सामाजिक सुरक्षा योजना का विवरण निम्न है.

वृद्धावस्था पेंशन

यह योजना कामगारों को उनकी वृद्धावस्था के लिए बचत करने में मदद करेगी है. वृद्धावस्था बचत का प्रबंधन विश्वसनीय सार्वजनिक क्षेत्र पेंशन निधि द्वारा किया जाएगा. कामगार जहां अपने पेंशन खाते में 1000 रुपये से 1200 रुपये तक की राशि जमा करेगा, वहीं कामगार के पुरुष होने पर 1000 रुपये और महिला होने पर 2000 हजार रुपये का सह–योगदान उनके खाते में मंत्रालय द्वारा जमा कराया जाएगा.

रिटर्न और रिसेटलमेंट बचत

कामगारों की भारत में वापसी पर तत्काल उनकी धन की जरूरत को पूरा करने के लिए रिटर्न और रिसेटलमेंट के रूप में एक वैकल्पिक होगी. यह योजना एक छोटे समय में पुनर्वास संबंधी व्ययों को पूरा करने में और धन की बचत करने में मदद करेगी. इस योजना में कामगार द्वारा 4000 रुपये के निवेश के बाद मंत्रालय की ओर से उनके इस खाते में 900 रुपये का योगदान किया जाएगा है.

बीमा सुरक्षा

इस योजना के अधीन पंजीकृत प्रवासी भारतीय कामगार को मुफ्त में जीवन बीमा की सुरक्षा मिलेगी जो खाड़ी देशों में कार्यरत रहने तक लागू होगी.

एमजीपीएसवाई में प्रवासी मामले के मंत्रालय का योगदान

यदि कोई कामगार 5000 रुपये प्रति वर्ष अंशदान देता है तो पूरी योजना के लिए महिला कामगार के मामले में मंत्रालय की ओर से 3000 रुपये का योगदान और पुरुष कामगार के मामले में 2000 रुपये योगदान किया जायेगा. मंत्रालय का योगदान इस योजना में उपभोक्ता द्वारा आवश्यक अंशदान की शर्त पर आधारित है. यह योगदान कम से कम 5 वर्ष अथवा नियोजन की अवधि के लिए, जो भी पहले हो, लागू होगा.

विदित हो कि 18 से 50 वर्ष के बीच उम्र वाला प्रवासी भारतीय कामगार जो रोजगार/अनुबंध वीजा पर है, वह इस योजना में शामिल होने का पात्र है. मंत्रालय ने पात्र प्रवासी भारतीय कामगारों को इस योजना से लाभान्वित के लिए भारतीय जीवन बीमा निगम और **बैंक ऑफ बड़ौदा को अधिकृत** किया है. बैंक ऑफ बड़ौदा और भारतीय जीवन बीमा निगम पात्र उपभोक्ताओं को एमजीपीएसवाई खाता खोलने में मदद करेंगे और इन्हें सेवाएं प्रदान करेंगे. इसके साथ ही साथ पात्र कामगार भारत स्थित प्रवासी संरक्षक (पीओई) के कार्यालय में अथवा खाड़ी देशों में अधिकृत एग्रीगेटर के कार्यालय स्थित विशेष सहायता डेस्क में एमजीपीएसवाई खाता खोल सकता है.

भारत और भूटान

भारत और भूटान के मध्य 2120 मेगावाट क्षमता की तीन और पनबिजली परियोजनाओं के निर्माण के लिए एक अंतर सरकारी समझौते (Inter - Governmental Agreement)पर हस्ताक्षर किए गए. भूटान और भारत के बीच यह अंतर सरकारी समझौता दोनों सरकारों के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के माध्यम से संयुक्त उद्यम जलविद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए किया गया.

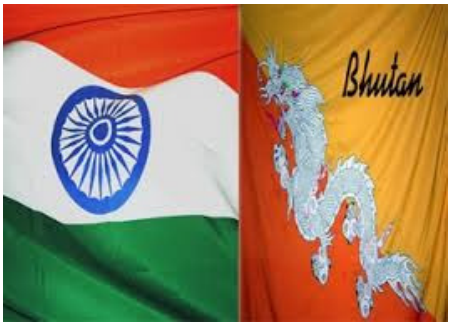

इस अंतर सरकारी समझौते पर भारत के केन्द्रीय ऊर्जा सचिव पीके सिन्हा और भूटान के आर्थिक मामलों के मंत्रालय में सचिव सोनम शेरिंग ने भूटान की राजधानी थिम्पू में 22 अप्रैल 2014 को हस्ताक्षर किए.

इस समझौते के बाद दोनों देशों के बीच पनबिजली उत्पादन क्षेत्र में सहयोग बढ़कर 6476 मेगावाट क्षमता का हो गया.

विदित हो कि दोनों देशों के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के जरिए विद्युत उत्पादन की कुल 4356 मेगावाट की छह परियोजनाओं पर पहले ही काम चल रहा है जिनमें 1416 मेगावाट क्षमता की तीन परियोजनाओं में उत्पादन शुरू हो चुका है जबकि 2940 मेगावाट क्षमता वाली तीन परियोजनाओं में वर्ष 2018 तक उत्पादन शुरू होना है.

अर्थव्यवस्था/वाणिज्य

वैश्विक सूचना तकनीकी (ग्लोबल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) रिपोर्ट 2014

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने वैश्विक सूचना तकनीकी (ग्लोबल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) रिपोर्ट –2014 का 13वां संस्करण 14 अप्रैल 2014 को जारी किया. सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के विकास और बेहतरी के संदर्भ में 148 देशों में से भारत को 83वां स्थान मिला.

रिपोर्ट के अनुसार सबसे अधिक नेटवर्क वाली अर्थव्यवस्थाओँ और बाकी की दुनिया के बीच खाई को पाटने के लिए बहुत कम काम किया गया. कई बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अपनी पूर्ण डिजिटल क्षमता का एहसास करने के लिए लगातार संघर्ष जारी है और उन्हें सूची में नीचे जगह मिली, जबकि विकसित अर्थव्यवस्थाओँ को सूची में ऊपर जगह प्राप्त हुई. सूची में शीर्ष दस स्थान प्राप्त करने वाले देश हैं –

1. फिनलैंड
2. सिंगापुर
3. स्वीडन
4. नीदरलैंड्स
5. नॉर्वे
6. स्विट्जरलैंड
7. अमेरिका
8. हांग कांग एसएआर
9. यूनाइटेड किंग्डम
10. रिपब्लिक ऑफ कोरिया

उभरती हुई बाजार अर्थव्यवस्थाओँ में चीन 62वें स्थान पर, ब्राजील 69वें स्थान पर, मैक्सिको 79वें स्थान पर और भारत 83वें स्थान पर है.

भारत बीआरआईसीएस अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम प्रदर्शन करने वाला देश है और यह 68वें स्थान से नीचे गिरकर 83वें स्थान पर पहुंच गया. श्रीलंका 69 वें स्थान पर, बांग्लादेश 114वें स्थान पर, नेपाल 126 वें स्थान पर और पाकिस्तान 105 वें स्थान पर हैं.

भारत की रैंकिंग में गिरावट का पता मुख्य रूप से ऐतिहासिक सीमाओं में सुधार लाने और अन्य आयामों में उभरने में आने वाली कठिनाइयों से चल सकता है. राजनीतिक, नियामक, व्यापारिक माहौल और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में कमी ने भारत के नेटवर्क प्रोफाइल में बाधा पहुंचाई है.

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान है जो पब्लिक प्राइवेट सहयोग के द्वारा विश्व की स्थित सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है. इसकी स्थापना 1971 में हुई थी. डब्ल्यूईएफ वैश्विक प्रतिस्पर्धा रिपोर्ट, ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट और ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट (Global Gender Gap Report) जैसी रिपोर्ट प्रकाशित करता है. इसके अलावा यह पर्यावरण, शिक्षा, व्यक्तिगत उद्योग और प्रौद्योगिकियों से संबंधित लैंडमार्क भी प्रदान करता है.

सेबी ने कॉरपोरेट गवर्नेंस मानदंडों का विस्तृत विवरण जारी किया

17 अप्रैल 2014 को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के कॉरपोरेट गवर्नेंस मानदंडों का विस्तृत विवरण जारी किया. ये नॉर्म्स छोटे और विदेशी शेयरधारकों से न्यायसंगत व्यवहार करने के साथ निवेशकों के अधिकारों के संरक्षण हेतु जारी किए गए हैं.

सेबी ने सूचीबद्ध समझौते (लिस्टिंग एग्रीमेंट) की धारा 35 बी और 49 में संशोधन किया है और ये नए नियम 1 अक्टूबर 2014 से प्रभावी होंगे. इसके लागू होने के बाद कंपनियों को कुछ बातें अनिवार्य रूप से माननी होंगीरू–

- सूचीबद्ध कंपनियों को शेयरधारकों को आम बैठकों में पारित किए जाने वाले संभावित सभी प्रस्तावों पर ईदृ वोटिंग करने का विकल्प देना होगा.
- संबंधित पक्ष से लेनदेन के लिए शेयरधारकों का अनुमोदन प्राप्त करना होगा.
- ह्विसिल ब्लोअर (सचेतक) मैकेनिज्म स्थापित करना होगा.
- वेतन पैकेज का विस्तृत खुलासा.
- अपने बोर्ड में न्यूनतम एक महिला निदेशक

सेबी द्वारा जारी किए गए ये नियम नए कंपनी अधिनियम से संबंधित हैं और इनका उद्देश्य कंपनियों द्वारा सबसे अच्छे कॉरपोरेट गवर्नेंस को अपनाना है. ये नियम फरवरी 2014 में हुए सेबी की बैठक में अनुमोदित हुए थे.

सेबी ने भारतीय ग्लोबल इंफोमीडिया पर 15.5 करोड़ का जुर्माना लगाया

सेबीपूंजी बाजार नियामक संस्था भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने आइपीओ से जुटाई रकम हड़प कर जाने के कारण भारतीय ग्लोबल इंफोमीडिया (बीजीआइएल) कंपनी एवं इसके अधिकारीयों पर 18 अप्रैल 2014 को 15. 5 करोड़ रूपये का जुर्माना लगाया.

भारतीय ग्लोबल इंफोमीडिया (बीजीआइएल) ने इस मुद्दे से संबंधित धोखाधड़ी वाला आइपीओ जुलाई 2011 में जारी किया था.

इसके बाद कंपनी के शेयरों में भारी उठापटक को देखते हुए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इसकी जांच करने का फैसला किया. इस जांच से यह सामने आया कि आइपीओ से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कहीं और कर लिया गया.

तथा सेबी को भी इसकी गलत जानकारी दी गई. इसके साथ ही साथ शेयर बाजार में कारोबार के नियमों का भी बीजीआइएल और इसके शीर्ष अफसरों की ओर से उल्लंघन किया गया.

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की स्थापना भारत सरकार द्वारा सेबी अधिनियम 1992 के तहत 12 अप्रैल सन 1992 में हुई. यह भारत में प्रतिभूति और वित्त का नियामक संस्था है. वर्तमान में इसके अध्यक्ष उपेन्द्र कुमार सिन्हा है.

बासेल समिति ने ग्राहकों के लिए बैंकों के ऋण जोखिम पर अंकुश लगाने के लिए अंतिम मानक जारी किए

15 अप्रैल 2014 को बैंकिंग पर्यवेक्षण पर बनी बासेल समिति ने ग्राहकों के लिए बैंकों के बड़े जोखिम को मापने और नियंत्रित करने के लिए अंतिम मानक जारी किए. ये मानक 1 जनवरी 2019 से प्रभावी होंगे. बासेल समिति में लगभग तीस देशों के बैंकिंग पर्यवेक्षक शामिल थे. बासेल समिति ने एक नया नियम बनाया जिसके तहत बैंक को एक ग्राहक के साथ कारोबार करने की सीमा तय की गई है.

बासेल समिति के दिशा–निर्देशों की मुख्य बातें

- दिशा–निर्देशों का उद्देश्य प्रतिपक्ष द्वारा वित्तीय फर्मों पर अत्यधिक बोझ थोपने के जोखिम को कम करना है.
- फ्रेमवर्क इस तरह से तैयार किया गया है कि इस प्रकार के डिफॉल्ट से बैंक की अधिकतम संभावित नुकसान के बावजूद बैंक के अस्तित्व को खतरा पैदा नहीं हो.
- अगर बैंक का प्रतिपक्ष कोई दूसरा बैंक है तो उस मामले में, बड़ा जोखिम सीमा सिस्टमदृवाइड कॉन्टैगिनेशन रिस्क (प्रणाली में फैली व्यापक जोखिम) में सीधा योगदान देगा.
- यह फ्रेमवर्क फंड में निवेश के कवरेज का दायरा बढ़ा कर, प्रतिभूमति संरचनाओं और सामूहिक निवेश उपक्रमों के जरिए शैडो बैंकिंग सिस्टम को मजबूत बनाने और उसके नियमन में भी योगदान करेगा.
- मौजूदा नियम के मुताबिक पर्यवेक्षकों को जोखिम पर 25 फीसदी की कैप लगाने की इजाजत देता है जिसका मतलब है कि प्रत्येक जोखिम बैंक के कुल नियामक कैपिटल होल्डिंग्स से एक तिमाही से अधिक नहीं हो सकता.

- बैंकों के बीच ग्लोबल सिस्टेमिकली इंपॉर्टेंट बैंक्स (जीदृएसआईबी) सख्त सीमा लागू होगी. यह सीमा टीयर 1 पूंजी का 15 फीसदी रखा जाएगा.
- साल 2016 तक समिति समाशोधन से संबंधित केंद्रीय प्रतिपक्ष योग्यता जोखिम (क्यूसीसीपी) के लिए निर्धारित जोखिम सीमा के औचित्य की समीक्षा करेंगें, जिसे फिलहाल छूट दी गई है.
- यह मौद्रिक नीति के कार्यान्वयन पर बड़े जोखिम फ्रेमवर्क के प्रभाव की भी समीक्षा करेगी.
- समिति इस बात की भी समीक्षा करेगी कि क्या यह सीमा क्लीयरिंग हाउसेस से बैंक के जोखिम पर सेट किया जाना चाहिए, फिलहाल नहीं किया जाता, जिसे साल 2016 तक नए परिचालन मानकों को अपनाना होगा.

  इसके अलावा, अंतिम मानक ने माप और नियंत्रण संबंधित अपने प्रारंभिक प्रस्तावों में संशोधन किया है. वे हैंदृ
- परिभाषा और रिपोर्टिंग थ्रेस्होल्ड अब योग्य पूंजी आधार का 10 फीसदी होगा (पहले 5 फीसदी प्रस्तावित था).
- क्रेडिट डिफॉल्ट स्वैप (सीडीएस) की सीमित रेंज, जो ट्रेडिंग बुक में हेज के रूप में इस्तेमाल होता था, को संशोधित किया जाएगा ताकि यह जोखिम आधारिक पूंजी फ्रेमवर्क के साथ अधिक निकटता से जुड़ सके.
- प्रतिभूतिकरण वाहनों के निवेश के लिए आरंभ में प्रस्तावित विघटन सीमा (पूंजी आधार की 0.25 फीसदी से अंशशोधित) को बैंक के पूंजी आधार से संबंधित मैटेरियलिटी थ्रेस्होल्ड से प्रतिस्थापित किया गया है.
- कुछ कवर्ड बॉन्ड्स की विशेष सुविधाओं को मान्यता प्रदान की जाएगी.

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

केपलर–186एफ नामक ग्रह की खोज नासा के वैज्ञानिकों ने की

'केपलर–186एफ' नामक ग्रह की खोज अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा (National Aeronautics and Space Administration) के वैज्ञानिकों ने की. वैज्ञानिकों ने 'केपलर–186एफ' के पता चलने की घोषणा अप्रैल 2014 के तीसरे सप्ताह में की. इसकी खोज 'केपलर स्पेस टेलीस्कोप' के माध्यम से की. यह प्रथ्वी के आकर का है जो पृथ्वी से 500 प्रकाश वर्ष की दूरी पर स्थित है. वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की भांति इस ग्रह सतह पर भी पानी होने की संभावना व्यक्त की है जीवन के अस्तित्व के लिए एक निर्णायक तत्व है.

नासा के अनुसार यह ग्रह पृथ्वी की भांति अपने सौर मंडल में सूर्य के चारों अपनी कक्षा में परिक्रमा करता है.

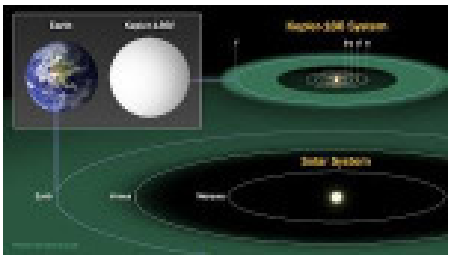

नासा (नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन, National Aeronautics and Space Administration) संयुक्त राज्य अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी है जो देश के सार्वजनिक अंतरिक्ष कार्यक्रमों व एरोनॉटिक्स व एरोस्पेस अनुसंधान के लिए जिम्मेदार है.

इसका गठन नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस अधिनियम के अंतर्गत 19 जुलाई 1958 को किया गया था. इस संस्था ने 1 अक्टूबर 1958 से कार्य करना शुरू किया. अमेरिकी अंतरिक्ष अन्वेषण के सारे कार्यक्रम नासा द्वारा संचालित किए जाते हैं. इसका मुख्यालय वाशिंगटन डीसी में स्थित है.

मिसाइल रोधी पृथ्वी डिफेंस वीइकल (पीडीवी) का सफल परीक्षण

भारत ने 27 अप्रैल 2014 को अधिक ऊंचाई से अपनी ओर दागी गयी लम्बी दूरी की मिसाइल को नष्ट करने करने में सक्षम मिसाइल रोधी पृथ्वी डिफेंस वीइकल (पीडीवी) का ओडिशा के व्हिलर द्वीप तट से सफल परीक्षण किया.

मिसाइल रोधी पृथ्वी डिफेंस वीइकल (पीडीवी) को व्हिलर द्वीप के समन्वित परीक्षण स्थल स्थित प्रेक्षपण पैड संख्या 4 से पहली बार अपने लक्ष्य पर निशाना लगाने के लिए प्रक्षेपित किया गया. जो पूरी तरह सफल रहा.

ज्ञातव्य हो कि यह नई मिसाइल रोधी (इंटरसेप्टर) पृथ्वी डिफेंस वीइकल (पीडीवी) दुश्मन की ओर से अधिक ऊंचाई से आने वाली मिसाइल के खिलाफ एक सुरक्षा ढाल के रूप में विकसित की गई है. जो पृथ्वी मिसाइल का ही एक संशोधित संस्करण है.

पुटनिसाइट खनिज

वैज्ञानिकों ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में एक खनिज पुटनिसाइट की खोज करने में सफलता पाई. पुटनिसाइट की खोज संबंधी जानकारी फरवरी 2014 के मिनरलोजिकल मैगजीन, भाग 78 (Mineralogical Magazine, Volume 78) में प्रकाशित हुई. खनिज का नाम ऑस्ट्रेलियाई खनिज विज्ञानी एंड्र्यू और क्रिस्टीन पुटनिस के नाम पर रखा गया.

खनिज की खोज पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में खनन कंपनी के सर्वेक्षण के दौरान हुई. इसे आरंभिक शोध के लिए राष्ट्रकुल वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन (सीएसआईआरओ) और फिर विस्तृत विशलेषण के लिए इल्लिओट्ट को सौंप दिया. नया खनिज संरचना और संयोजन में दुनिया में अब तक ज्ञात 4000 खनिजों से बिल्कुल अलग है. इसमें स्ट्रॉन्टियम, कैल्शियम, क्रोमियम, सल्फर, कार्बन, ऑक्सीजन और हाइड्रोजन का बेहद असामान्य संयोजन है.

पुटनिसाइट खनिज पश्चिम ऑस्ट्रेलिया के नॉर्समैन के उत्तर में लेक कोवान की सतह पर उपर उभरे चट्टान पर पाया गया है. यह 0.5 मिलीमीटर के व्यास वाले छोटे क्रिस्टिल के रूप में ज्वालामुखी चट्टान पर पाया गया.

गहरे हरे और सफेद चट्टान पर गहरे गुलाबी धब्बे के रूप में दिखाई देने वाला यह खनिज माइक्रोस्कोप में देखने पर एक चौकोर, घन की तरह क्रिस्टल जैसा दिखता है.

पर्यावरण/पारिस्थितिकी

राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन को आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति की मंजूरी

आर्थिक मामलों पर मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने 20 फरवरी 2014 को केंद्र प्रायोजित स्कीम के रूप में राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन के लिए वन एवं पर्यावरण मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की.

राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन के लिए 12वीं योजना में निर्धारित कुल 13,000 करोड़ रुपये में से 2000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन के लिए वित्तीय सहायता का स्रोत योजना व्यय तथा मनरेगा गतिविधियों, सीएएमपीए और एनएपी को मिलाने के जरिए जुटाया जाना है.

राष्ट्रीय ग्रीन इंडिया मिशन के तहत आवश्यक व्यय का 90 प्रतिशत केंद्र सरकार और पूर्वोत्तर राज्य सरकार 10 प्रतिशत वहन करेंगी. हालांकि, शेष सभी राज्यों के लिए केंद्र सरकार 75 प्रतिशत और राज्य सरकार 25 प्रतिशत खर्च करेगी.

12वीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान इस मिशन के उद्देश्यों में वनध्वृक्ष क्षेत्र में वृद्धि करना और वन क्षेत्र की गुणवत्ता दो से बढ़ाकर आठ मिलियन हेक्टेयर करना, जैवविविधता, हाइड्रोलॉजिकल सेवाओं के साथ पारिस्थितिकीय सेवाओं में सुधार, वन में एवं आसपास रहने वाले परिवारों की वन आधारित आजीविका आय में वृद्धि तथा वार्षिक कार्बन डाइ आक्साइड पृथक्करण में वृद्धि करना शामिल है.

यह मिशन योजना बनाने और निर्णय लेने, कार्यान्वयन और निगरानी में व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले संगठनों की विकेंद्रीकृत भागीदारी के आधार पर कार्यान्वित किया जाएगा. गांव स्तर पर ग्राम सभा तथा जेएफएमसी सहित ग्राम सभा के जनादेश से बनाई गई समितियां कार्यान्वयन की निगरानी करेंगी.

हरियाणा में प्रतिहार–काल की 1000 वर्ष पुरानी टकसाल प्राप्त हुई

हरियाणा में रोहतक के बोहर **माजरा गांव** में प्रतिहार–काल की सिक्के ढालने वाली एक टकसाल हुई. प्राप्त अवशेषों से पता लगता है कि यह टकसाल प्रतिहार वंश के शक्तिशाली राजा मिहिर भोज के काल की है. राजा मिहिर भोज ने सन 836 और 885 ईस्वी में कन्नौज पर शासन किया था. देश में प्रतिहार–काल से जुड़ी यह पहली खोज है।

यह टकसाल उस छोटे से गांव के 100 मीटर के क्षेत्र में फैली है.

रोहतक के महर्षि दयानन्द्द विश्वविद्यालय के सेवानिवृत शिक्षक प्रोफेसर मनमोहन कुमार की सूचना पर भारतीय पुरातत्व्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) के एडीजी डॉ. मणि ने बोहर माजरा गांव का दौरा किया. बताए गए स्थान पर बने टीले के नीचे खुदाई करवाई गई तो उस स्थान से सिक्के ढालने के मिट्टी के बर्तनों के 31 अवशेष मिले.

खोज के बाद एएसआई के एडीजी डॉ. बी. आर. मणि और उनके सहायक अधिकारी वी.सी. शर्मा और एएसआई के चंडीगढ़ सर्किल के स्टाफ ने मिलकर इस स्थान की और खुदाई तथा देखरेख का काम शुरू कर दिया.

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक में भारत को मिला 155वां स्थान

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक–2014 (Environmental Performance Index 2014, ईपीआई) 25 जनवरी 2014 को जारी किया गया. वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक के अनुसार भारत को पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के समाधान के अपने प्रयासों में सूचकांक–स्कोर 31.23 पॉइंट्स के साथ 178 देशों में से 155वां स्थान प्राप्त हुआ.

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक में चीन को 118वां, पाकिस्तान को 148वां और नेपाल को 139वां स्थान प्राप्त हुआ. भारत अपने इन सभी पड़ोसी देशों से इस सूचकांक में पीछे है.

ब्रिक्स देशों में से दक्षिण अफ्रीका को 72वां स्थान प्राप्त हुआ, जबकि रूस 73वें, ब्राजील 77वें और चीन 118वें स्थान पर रहा.

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक में देशों के स्थान–निर्धारण पर्यावरण से होने वाले नुकसान से मानव–स्वास्थ्य की रक्षा और पारिस्थितिक तंत्र (ईको–सिस्टम) की सुरक्षा के क्षेत्रों में सम्बंधित देशों द्वारा उच्च प्राथमिकताप्राप्त पर्यावरणीय मुद्दों के संबंध में उनके निष्पादन के आधार पर किया जाता है.

ईपीआई की अन्य विशेषताएँ

- ईपीआई 2014 की सर्वसमावेशक संरचना उपलब्ध करने वाले दो उद्देश्य हैं पर्यावरणीय स्वास्थ्य और पारिस्थितिक तंत्र का स्थायित्व.
- सूचकांक में शामिल 178 देश 99 प्रतिशत वैश्विक जनसंख्या, 98 प्रतिशत विश्व के कुल भूमि–क्षेत्र और 97 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं.
- सर्वोच्च ईपीआई वाला देश स्विट्जरलैंड है, जिसके बाद लग्जमबर्ग, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर और चेक रिपब्लिक आते हैं.
- ईपीआई के सबसे निचले निष्पादक देश हैं–सोमालिया, माली, हैती, लेसोथो और अफगानिस्तान. ये सभी न्यून निष्पादक देश जन–आंदोलन, आर्थिक विकास के भरी दबावों और राजनीतिक अशांति से ग्रस्त हैं.
- हवा की गुणवत्ता, जैव–विविधता और प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा की दृष्टि से पर्यावरणीय सुरक्षा–उपायों में पर्याप्त निवेश किए बिना होने वाला शहरीकरण उभरती अर्थव्यवस्थाओं के खराब प्रदर्शन का मुख्य कारण है.

वैश्विक पर्यावरण निष्पादन सूचकांक (ईपीआई) येल और कोलंबिया यूनिवर्सिटीज द्वारा विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के सहयोग से और साथ ही सैमुअल फैमिली फाउंडेशन तथा माइककॉल माइकबेन फाउंडेशन की सहायता से तैयार किया जाता है. पर्यावरण निष्पादन सूचकांक (ईपीआई) राष्ट्र–स्तरीय पर्यावरण–डाटा को प्रतिबिंबित करने वाले 20 संकेतकों की गणना और समूहन द्वारा संरचित किया जाता है. इन संकेतकों को नौ मुद्दों की श्रेणी में संयुक्त किया जाता है, जिनमें से प्रत्येक मुद्दा दो सर्वसमावेशक उद्देश्यों में फिट होता है.

आईयूसीएन रेड लिस्ट ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे किए

अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर, आईयूसीएन) ने 30 जनवरी 2014 को घोषणा की कि वह संरक्षण–मार्गदर्शन और नीतिगत निर्णयों में संकटग्रस्त प्रजातियों की आईयूसीएन रेड लिस्ट के 50 वर्ष मना रही है. आईयूसीएन की रेड लिस्ट जानवरों, पादप–प्रजातियों और आजीविकाओं से जुड़ी फफूंदों के संबंध में सबसे व्यापक सूचना–स्रोत है.

पुरस्कार/सम्मान

- 'कनाडा इंडिया फाउंडेशन चंचलानी ग्लोबल इंडियन अवार्ड'
- '72वें मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार'
- दादा साहब फाल्के पुरस्कार
- एमएस सुब्बालक्ष्मी पुरस्कार 2014
- 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार
- पुलित्जर पुरस्कार 2014

'कनाडा इंडिया फाउंडेशन चंचलानी ग्लोबल इंडियन अवार्ड'

29 अप्रैल 2014 को इंफोसिस के कार्यकारी अध्यक्ष एनआर नारायणमूर्ति को वर्ष 2014 के 'कनाडा इंडिया फाउंडेशन चंचलानी ग्लोबल इंडियन अवार्ड' (Canada India Foundation Chanchalani Global Indian Award 2014) से टोरंटो में सम्मानित किया गया.

उन्हें यह सम्मान सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके कार्यों के लिए दिया गया. यह पुरस्कार कनाडा इंडिया फाउंडेशन द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाता है. कनाडा के वित्त मंत्री जो ओलिवर ने सम्मान स्वरूप एनआर नारायणमूर्ति को एक ट्रॉफी और 50000 अमेरिकी डॉलर की राशि प्रदान की.

'72वें मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार'

मुंबई में 24 अप्रैल 2014 को आयोजित एक समारोह में सामाजिक कार्यकर्त्ता अन्ना हजारे को '72वें मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया. भारत रत्न प्राप्तकर्ता सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर ने अन्ना हजारे को पुरस्कार प्रदान किया.

सुर सम्राज्ञी लता मंगेशकर ने सामाजिक कार्यकर्त्ता अन्ना हजारे के साथ ही साथ कई अन्य लोगों को भी '72वें मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार' से सम्मानित किया जिसमें संगीतज्ञ जाकिर हुसैन,फिल्म अभिनेता ऋषि कपूर शामिल है. विदित हो कि 72वें मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार समारोह का यह आयोजन इसका 'रजत जयंती' आयोजन वर्ष था.

- संगीत के क्षेत्र में– तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन और पंढरीनाथ कोल्हापुरे
- रंगमंच (थिएटर) और सिनेमा श्रेणी के लिए– ऋषि कपूर
- सामाजिक जागरूकता के लिए – अन्ना हजारे
- वर्ष का सर्वश्रेष्ट ड्रामा (बेस्ट ड्रामा ऑफ द ईयर) – छपा काटा
- रंगमंच व्यक्तित्व श्रेणी के लिए– अनामिका और रसिका संस्था के संस्थापक दिनेश पेडानेकर और मुक्ता बर्वे
- मराठी सिनेमा और रंगमंच श्रेणी के लिए– शिवाजी सतम
- समाज सेवा श्रेणी के लिए –मिराज विद्यार्थी सिंह
- साहित्य श्रेणी के लिए–आनंद यादव
- मीडिया वर्ग के लिए– अनंत दीक्षित और प्रकाश बाल

दादा साहब फाल्के पुरस्कार

गीतकार गुलजार को भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए वर्ष 2013 का दादा साहब फाल्के पुरस्कार देने की घोषणा 12 अप्रैल 2014 को की गई. गीतकार गुलजार दादा साहब फाल्के पुरस्कार पाने वाले 45वें व्यक्ति हैं. इससे पूर्व कला के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए गुलजार को वर्ष 2004 में पद्मभूषण एवं वर्ष 2002 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया किया जा चुका है. हिंदी फिल्म मौसम, माचिस और अंगूर के निर्देशन के लिए भी उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है.

वर्ष 2009 में फिल्म स्लमडॉग मिलियनएअर के गाने जय हो के लिए गुलजार को सर्वश्रेष्ठ मौलिक गीत लेखन का ऑस्कर पुरस्कार मिला. इसी गीत के लिये उन्हे ग्रैमी पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है.

गुलजार के पास आरडी बर्मन, एआर रहमान और विशाल भारद्वाज के अलावा सचिन देव बर्मन, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल, सलिल चौधरी जैसे अलग–अलग दौर के संगीत निर्देशकों के साथ काम करने का लंबा अनुभव है.

गुलजार का जन्म अविभाजित भारत के पंजाब में 18 अगस्त सन 1936 में हुआ था. जो अब पाकिस्तान में है. उनका वास्तविक नाम सम्पूर्ण सिंह कालरा है.

भारत पाकिस्तान विभाजन के बाद उनका परिवार अमृतसर (पंजाब) आकर बस गया. बाद में गुलजार मुंबई चले गये. फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने बिमल राय, हृषिकेश मुखर्ज्जी, और हेमंत कुमार के सहायक के तौर पर काम शुरू किया. बिमल राय की फिल्म बंदनी के लिए गुलजार ने अपना पहला गीत लिखा.

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, भारत सरकार की ओर से भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए दिया जाने वाला एक वार्षिक पुरस्कार है. इस पुरस्कार का प्रारंभ दादा साहेब फाल्के के जन्म शताब्दी वर्ष 1969 से हुआ. दादा साहेब फाल्के पुरस्कार रास्ट्रीय पुरस्कार के साथ प्रदान किया जाता है. अब तक कुल 44 लोगों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है.

'मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार' संगीत और फिल्मों में अतुलनीय योगदान देने वालों को सम्मानित करने हेतु लता मंगेशकर के पिता दीनानाथ मंगेशकर की स्मृति में वर्ष 1999 में शुरू किया गया था. इस पुरस्कार के तहत विजेता को 101001 रुपये की नगद राशि, स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र दिया जाता है.

यह पुरस्कार समारोह प्रतिवर्ष 24 अप्रैल (दीनानाथ मंगेशकर की पुण्यतिथि) को आयोजित की जाती है.

एमएस सुब्बालक्ष्मी पुरस्कार 2014

कर्नाटक संगीतकार मथांगी सत्यमूर्ति को वर्ष 2014 के एमएस सुब्बालक्ष्मी पुरस्कार के लिए चुना गया. इनके चयन की घोषणा एमएस सुब्बालक्ष्मी फाउंडेशन द्वारा 19 अप्रैल 2014 को की गई. इस पुरस्कार के तहत विजेता मथांगी सत्यमूर्ति को 10001 रुपए का नकद और एक पट्टिका प्रदान किया जाना है. यह पुरस्कार 2 मई 2014 को दिया जाना है.

एमएस सुब्बालक्ष्मी पुरस्कार की अन्य श्रेणियां

- एमएस सुब्बालक्ष्मी चलचित्र पुरस्कार– केपीएसी ललिता को फिल्म नादान में राधामणि की भूमिका के लिए. एमएस सुब्बालक्ष्मी चलचित्र पुरस्कार के तहत विजेता को 25001 रुपए और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है.
- श्री कृष्णा चलचित्र प्रतिभा पुरस्कार– सैकुमार को फिल्म साउंड थोमा में प्लापराम्बिल पाउलो की भूमिका के लिए. श्री कृष्णा चलचित्र प्रतिभा पुरस्कार के तहत विजेता को 25001 रुपए और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है.
- चलचित्र कलाकारों के लिए ओ माधवन पुरस्कार– यह पुरस्कार 50 वर्षों तक थिएटर के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के लिए सुजाथन को दिया जाना है. चलचित्र कलाकारों के लिए ओ माधवन पुरस्कार के तहत विजेता को 5001 रुपए और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है.
- श्री कृष्णा संगीत रत्न पुरस्कार– वायलिन वादक आर सुब्रमण्य शर्मा. श्री कृष्णा संगीत रत्न पुरस्कार के तहत विजेता को 5001 रुपए और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया जाता है.
- श्री कृष्णा सदभावना पुरस्कार– सामाजिक कार्यकर्ता और उद्योगपति, केजी चंद्रबाबू.
- श्री कृष्णा युवा संगीत पुरस्कार – गायक फ्रांको
- आर प्रकाशम मेमोरियल पुरस्कार – एम चार्दाथान (M-Charadathan), इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक

एमएस सुब्बालक्ष्मी पुरस्कार भारतीय शास्त्रीय गायिका एमएस सुब्बालक्ष्मी की स्मृति में वर्ष 2005 में एमएस सुब्बालक्ष्मी फाउंडेशन और वर्कला श्रीकृष्ण नाट्य संगीत अकादमी (Varkala Sreekrishna Natya Sangeeta Academy) द्वारा स्थापित किया गया था.

61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा वर्ष 2013 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए, फिल्म निर्देशक सईद अख्तर मिर्जा की अध्यक्षता में गठित 11 सदस्यीय चयन समिति ने की. 61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में वर्ष 2013 के सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म वर्ग का पुरस्कार 'शिप ऑफ थेसीज' को मिला तथा वर्ष 2013 के सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म का पुरस्कार **जॉली एलएलबी** को दिया गया.

61वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की सूची

- सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म– शिप ऑफ थेसीज
- सर्वश्रेष्ठ हिंदी फिल्म– जॉली एलएलबी
- सर्वश्रेष्ठ निर्देशन – हंसल मेहता (फिल्म –शाहिद), प्रांजल दुआ (फिल्म –चिड़िया उड़)
- सर्वश्रेष्ठ अभिनेता– राजकुमार राव (फिल्म –शाहिद)
- सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता– सौरभ शुक्ला
- सामाजिक मुद्दों के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म– गुलाब गैंग
- सर्वश्रेष्ठ कोरियोग्राफी– गणेश आचार्य (फिल्म – भाग मिल्खा भाग)
- सर्वश्रेष्ठ डिजाइन– मिस लवली
- सर्वश्रेष्ठ इफेक्ट्स – जल
- सर्वश्रेष्ठ नॉन फीचर फिल्म– रंगभूमि
- सर्वश्रेष्ठ संवाद– मराठी फिल्म 'अस्तु'
- संगीत का राष्ट्रीय पुरस्कार– महिला पार्श्व गायक बेला शिंदे (मराठी फिल्म कोडा कोडा)
- सर्वश्रेष्ठ साउंड डिजाइन– मद्रास कैफे
- सर्वश्रेष्ठ प्रथम फिल्म– मराठी निर्देशक नागराज मांजुले की 'फ्रेंडरे
- राष्ट्रीय एकता पर सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का नरगिस दत्त पुरस्कार– बालू महेन्द्र के निर्देशन में बनी फिल्म 'तालैमुरागाल'

पुलित्जर पुरस्कार 2014

भारतीय मूल के कवि विजय सेशाद्रि को वर्ष 2014 का प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार देने की घोषणा 14 अप्रैल 2014 को की गई.

कवि विजय सेशाद्रि को यह पुरस्कार कविता श्रेणी में उनके कविता संग्रह थ्री सेक्शन्स के लिए दिया गया.

पत्रकारिता, पत्र, नाटक और संगीत के लिए दिए जाने वाले पुलित्जर पुरस्कार के 98वें संस्करण– वर्ष 2014 की घोषणा कोलंबिया विश्वविद्यालय (अमेरिका) द्वारा की गई.

कोलंबिया विश्वविद्यालय के एलुमिनी रहे विजय सेशाद्रि को पुरस्कार स्वरूप 10000 डॉलर (करीब छह लाख रुपए) दिए जाएंगे. यह पुरस्कार एक अमरीकी कवि द्वारा लिखी गई 'आसाधारण कविताओं' की श्रेणी के लिए दिया गया.

वर्ष 1954 में बेंगलुरू में जन्मे विजय सेशाद्रि पांच वर्ष की उम्र में ही अमरीका चले गए और ओहियो के कोलंबस में बड़े हुए. वर्तमान में वो न्यूयॉर्क के सारा लॉरेंस कॉलेज में कविता और नॉन फिक्शन पढ़ाते हैं.

विजय सेशाद्रि के कविता संग्रह में जेम्स लाफिंग पुरस्कार से नवाजी गई कविताएं द लांग मिडो और वाइल्ड किंगडम (वर्ष 1996) काफी चर्चित रहीं.

विजय सेशाद्रि की कविताएं, लेख और विश्लेषण अमेरिकन स्कॉलर, द नेशन, दि न्यूयॉर्कर, द पेरिस रिव्यू, येल रिव्यू, द टाइम्स बुक रिव्यू, द फिलाडेल्फिया एंक्वायरर समेत अमरीका के अन्य कई प्रतिष्ठित प्रकाशनों में प्रकाशित होते रहे हैं. वर्ष 1997 में श्अंडर 35–दि न्यू जेनेरेशन ऑफ अमरीकन पोएट्सश और 2003 में दि बेस्ट अमरिकन पोइट्री में भी उनका नाम शामिल रहा है.

विजय सेशाद्रि को कला के लिए न्यूयॉर्क फाउंडेशन और नेशनल एंडाउमेंट फॉर आर्ट्स से भी अनुदान मिल चुका है. कविता में असाधारण उपलब्धि के लिए उन्हें पेरिस रिव्यू के श्बर्नार्ड एफ कोनर्स लांग पोएमश पुरस्कार और श्मैकडॉवेल कोलोनीश की फेलोशिप भी मिल चुकी है. ज्ञातव्य हो कि विजय सेशाद्रि पुलित्जर पुरस्कार पाने वाले भारतीय मूल के पांचवें व्यक्ति हैं.

पत्रकारिता, पत्र, नाटक, और संगीत के लिए दिए जाने वाले पुलित्जर पुरस्कार हंगरी मूल के अमेरिकी प्रकाशक जोसफ पुलित्जर के नाम पर वर्ष 1917 से प्रतिवर्ष कुल 21 श्रेणियों में दिया जाता है. अमेरिका स्थित न्यूयार्क सिटी के कोलम्बिया विश्वविद्यालय द्वारा यह पुरस्कार दिया जाता है.

पुलित्जर पुरस्कार के 20 श्रेणियों के तहत प्रत्येक विजेता को एक प्रमाण–पत्र व 10000 डॉलर की नकद राशि दी जाती है. वहीं 21 वीं श्रेणी, 'समाज सेवा से संबंधित पत्रकारिता' के लिए स्वर्ण पदक दिया जाता है.

पुलित्जर पुरस्कार पाने वाले भारतीय मूल

के लोगों की सूची इस प्रकार है –

- वर्ष 1937 में भारतीय मूल के गोविंद बिहारी लाल को पहली बार यह पुरस्कार मिला था. गोविंद बिहारी लाल विज्ञान संपादक थे और हॉवर्ड विश्वविद्यालय की 300वीं वर्षगांठ के दौरान विज्ञान के कवरेज के लिए उन्हें यह पुरस्कार दिया गया था.
- भारतीय–अमरीकी लेखिका झुंपा लाहिरी को वर्ष 2000 में उनके कहानी संग्रह श्इंटरप्रीटर्स ऑफ मेलोडीजश्श के लिए पुलित्जर पुरस्कार दिया गया.
- भारतीय मूल की पत्रकार–लेखिका गीता आनंद को वर्ष 2003 में पुलित्जर पुरस्कार उनकी खोजी पत्रकारिता के लिए दिया गया. गीता आनंद वॉल स्ट्रीट जर्नल के लिए खोजी पत्रकार और फीचर लेखिका थीं.
- वर्ष 2011 में भारतीय अमरीकी चिकित्सक सिद्धार्थ मुखर्जी को कैंसर पर लिखी गई किताब श्द एम्परर ऑफ ऑल मेलोडीजः ए बॉयोग्राफी ऑफ कैंसरश के लिए सामान्य नॉन फिक्शन श्रेणी के लिए पुलित्जर पुरस्कार दिया गया.

दिवस/सप्ताह/वर्ष

- *विश्व मलेरिया दिवस*
- *इंटरनेशनल मदर अर्थ डे (अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस)*
- *विश्व स्वास्थ्य दिवस*

विश्व मलेरिया दिवस

विश्वभर में विश्व मलेरिया दिवस 25 अप्रैल 2014 को मनाया गया. यह दिवस मलेरिया निवारण और नियंत्रण के लिए सतत निवेश और राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता रेखांकित करने के लिए मनाया गया. वर्ष 2014 और 2015 के लिए इसका विषय ***'भविष्य में निवेश करें – मलेरिया को हराएं'*** (Invest in the future- Defeat malaria) रखा गया.

इस अवसर पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने देशों को मलेरिया–उन्मूलन की ओर अग्रसर होने की तकनीक, परिचालनगत और वित्तीय व्यवहार्यता का आकलन करने में मदद करने के लिए एक मैन्युअल जारी किया.

नई गाइड श्मलेरिया–नियंत्रण से मलेरिया–उन्मूलन की ओर – उन्मूलन परिदृश्य के लिए आयोजना देशों को कार्यक्रम के विस्तार और निधिकरण की उपलब्धता के आधार पर उन्मूलन की दिशा में अग्रसर होने के लिए विभिन्न परिदृश्यों और समयावधियों के मूल्यांकन के लिए एक रूपरेखा उपलब्ध कराएगी.

वर्ष 2000 से विश्वभर में मलेरिया से होने वाली मृत्यु–दर में 42 प्रतिशत और डब्ल्यूएचओ अफ्रीकी क्षेत्र में 49 प्रतिशत की कमी आई है.

विश्व मलेरिया दिवस वर्ष 2007 में विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य राष्ट्रों द्वारा शुरू किया गया था. यह दिवस प्रतिवर्ष 25 अप्रैल को मनाया जाता है.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मलेरिया से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष पांच देश हैं – नाइजीरिया, कांगो लोकतांत्रिक गणतंत्र, मोजाम्बिक, बर्किना फासो और सियरा लियोन.

भारत द्वारा वर्ष 2015 तक मलेरिया के मामलों में 50 से 75 प्रतिशत तक कमी लाए जाने की आशा है.

मलेरिया एक मच्छरजन्य प्लासमोडियम परजीवी से उत्पन्न रोग है, जो रक्त–कोशिकाओं को संक्रमित करता है. इसका इलाज और रोकथाम की जा सकती है. मलेरिया के लिए अभी तक कोई टीका नहीं बना है और इसकी प्रतिरोध–क्षमता बार–बार के संक्रमण से प्राकृतिक रूप से घटित होती है. इसके आम लक्षण हं बुखार, ठंड लगना, उल्टी होना, मिचली, बदन–दर्द, सिर–दर्द, खाँसी और दस्त.

इंटरनेशनल मदर अर्थ डे (अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस)

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस प्रति वर्ष 22 अप्रैल के दिन मनाया जाता है. इस तिथि का निर्धारण संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा किया गया है.

वर्ष 2014 के इंटरनेशनल मदर अर्थ डे (अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस) का मुख्य विषय 'हरित शहर' है. जिसका मुख्य कारण शहरीकरण की बढ़ती प्रवृति एवं लोगों द्वारा लगातार शहरों की ओर हो रहा पलायन है.

ज्ञातव्य हो कि इंटरनेशनल मदर अर्थ डे (अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस) की स्थापना सन 1970 में अमेरिकी सीनेटर जेराल्ड नेल्सन के द्वारा एक पर्यावरण शिक्षा के रूप में की गयी. जिसे पहली बार सन 1970 में 22 अप्रैल के दिन मनाया गया था. जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना था. वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र संघ के आह्वान पर इस दिवस को प्रति वर्ष 22 अप्रैल के दिन पूरे विश्व में मनाया जाता है.

विश्व स्वास्थ्य दिवस

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा वर्ष 2014 के विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर जारी किया गया नारा है– श्छोटा डंक–बड़ा खतराश, जिसका मुख्य थीम है, वेक्टर यानी मच्छरों–मक्खियों से होने वाले रोगों पर लगाम लगाना.

विदित हो कि संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य मामलों की एजेंसी 'विश्व स्वास्थ्य संगठन' की स्थापना 7 अप्रैल 1948 को हुई थी. इसीलिए 7 अप्रैल को 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है. पहला 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' 7 अप्रैल सन 1950 को मनाया गया था.

विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर के लोगों के स्वास्थ्य का स्तर ऊंचा रखना है.

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की स्थापना 7 अप्रैल 1948 को स्विट्जरलैंड के जेनेवा शहर में हुई, जहां वर्तमान में इस संस्था का मुख्यालय भी है.

डब्ल्यूएचओ की स्थापना के प्रस्ताव पर 22 जुलाई 1946 को संयुक्त राष्ट्र के तत्कालीन सभी 61 सदस्य देशों ने सहमति जताई थी. वर्तमान में 194 देश विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य हैं.

अपनी स्थापना से लेकर अब तक डब्ल्यूएचओ ने कई जानलेवा बीमारियों और चेचक जैसी महामारियों को मिटाने में उल्लेखनीय कदम उठाए हैं. इस समय संगठन का खास ध्यान टीबी, कैंसर और एचआईवी जैसी बड़ी बीमारियों पर है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौती के रूप में सामने खड़ी हैं. पोषण, खाद्य सुरक्षा और यौन संबंधी बीमारियां भी डब्ल्यूएचओ के कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण रूप से शामिल है.

पुस्तकें

- *''हार्ड च्वाइसेस''*
- *'''क्रूसेडर ऑर कॉन्सपिरेटर''*
- *''लोलैंड'*

"हार्ड च्वाइसेस"

'हार्ड च्वाइसेस' (Hard Choices) नामक पुस्तक अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन द्वारा लिखी गई है. इस पुस्तक में अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा की विदेश मंत्री के रूप में हिलेरी की भूमिका पर प्रकाश डाला गया है. इसमें हिलेरी क्लिंटन ने विदेश मंत्री के रूप में अपने चार वर्ष के कार्यकाल में सामने आए संकटों, विकल्पों और चुनौतियों का जिक्र किया है.

अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन द्वारा लिखित पुस्तक 'हार्ड च्वाइसेस' के विमोचन की घोषणा 21 अप्रैल 2014 को की गई.

हिलेरी क्लिंटन की अन्य पुस्तकें 'लिविंग हिस्ट्री' और बच्चों से संबंधित 'इट टेक्स ए विलेज' हैं.

"क्रूसेडर ऑर कॉन्सपिरेटर"

'क्रूसेडर ऑर कॉन्सपिरेटर? कोलगेट एंड अदर ट्रुथस' (Crusader or Conspirator? Coalgate and Other Truths) नामक पुस्तक भारत के पूर्व कोयला सचिव पीसी पारख द्वारा अंग्रेजी भाषा में लिखी गई है. इसका विमोचन 14 अप्रैल 2014 को किया गया. इस पुस्तक को मानस पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किया गया. इस पुस्तक में लेखक पीसी पारख ने सीबीआई निदेशक रंजीत सिन्हा पर आरोप लगाया है कि उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय को खुश करने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई की है.

पुस्तक के अनुसार सीबीआई निदेशक रंजीत सिन्हा ने कोयला खान आवंटन में साजिश के मामले में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का उल्लेख क्यों नहीं किया जबकि संबंधित मामले में अंतिम निर्णय प्रधानमंत्री ने ही किया था. पीसी पारख ने अपनी पुस्तक में लिखा है कि उनसे प्रधानमंत्री कार्यालय ने कभी किसी मामले में कोई सिफारिश नहीं की और न ही कोई दबाव डाला.

विदित हो कि सीबीआई ने ओडिशा में एक कोयला खान आबंटन में कथित तौर पर हिंडाल्को का पक्ष लेने के आरोप में पीसी पारख के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

'लोलैंड'

भारतीय मूल की अमेरिकी लेखिका झुम्पा लाहिड़ी की पुस्तक 'लोलैंड' का 8 अप्रैल 2014 को बेलीज वुमेंस प्राइज 2014 के लिए चयन किया गया. इस पुरस्कार के लिए पांच और किताबों का चयन किया गया. यह ब्रिटेन का एक मात्र वार्षिक पुस्तक पुरस्कार है जो कि महिला काल्पनिक कथाकारों को दिया जाता है और इस वर्ष इस पुरस्कार की घोषणा 4 जून 2014 को लंदन में की जाएगी.

लोलैंड 2013 में प्रकाशित हुई थी. किताब की कहानी कोलकाता और अमेरिका के रोड द्वीप के इर्द–गिर्द घूमती है और इसमें दो भाइयों (सुभाष और उदयन) के जीवन, उनकी पसंद और उनके भाग्य की कहानी है. इससे पहले, इस किताब को मान बुकर पुरस्कार के लिए भी शॉर्टलिस्ट किया गया था.

- झुम्पा लाहिड़ी पुलित्जर पुरस्कार विजेता भारतीय मूल की अमेरिकी उपन्यासकार हैं.
- उनका उपन्यास नेमसेक (2003) पर इसी नाम से एक बहुचर्चित फिल्म बनी थी.
- झुम्पा लाहिड़ी अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा नियुक्त किए गए कला और मानविकी के राष्ट्रपति समिति की सदस्य हैं.
- उनकी लघु कथाओं का संग्रह इंटरप्रेटर ऑफ मालदीव (1999) को साल 2000 में फिक्शन का पुलित्जर पुरस्कार मिला था.

पुरस्कार के लिए चुनी गई अन्य लेखक और उनकी पुस्तकें

- चीमामान्दा नगोजी अदिची – अमेरिकानाह
- हान्ना केंट – ब्रुएल राइट्स
- ऑड्रे मागी – द अंडरटेकिंग
- एमर मैकब्राइड – ए गर्ल इज ए हाल्फ फॉर्म्ड थिंग
- डोन्ना टार्ट्ट – द गोल्डफिंच

पदत्याग/पदमुक्त

- चुंग हाँग वोन
- विक गंडोत्रा

चुंग हाँग वोन

चुंग हाँग वोन ने दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री पद से 27 अप्रैल 2014 को इस्तीफा दे दिया. उन्होंने 16 अप्रैल 2014 को हुई नौका आपदा में सरकार की अक्षमता एवं असामयिक प्रतिक्रिया के कारण त्यागपत्र दिया. दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति पार्क गुएन–हए ने चुंग का इस्तीफा स्वीकार कर लिया, लेकिन बचाव अभियान पूरा होने तक वह पद पर बने रहेंगे.

चुंग हाँग वोन का जन्म 9 अक्टूबर 1944 को हुआ था तथा उन्होंने 2012 तक एक अभियोजक के रूप में कार्य किया था. वह गुएनदृहए के सरकार के प्रथम मनोनीत प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार थे. चुंग हाँग वोन ने ग्रेट नेशनल पार्टी की तरफ से 26 फरवरी 2013 को दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली.

सेवोल नौका जो इनचान बंदरगाह से दक्षिण से जेजी द्वीप जो पारंपरिक अवकाश द्वीप हैं की नियमित यात्रा के दौरान 16 अप्रैल, 2014 को डूब गया. सेवोल नौका में 476 से अधिक लोग यात्रा कर रहे थे. इन यात्रियों में अधिकांश छात्र और शिक्षक थे. लगभग 300 लोग अभी भी लापता हैं. 187 लोगों के मरने की पुष्टि हो चुकी हैं.

विकी गंडोत्रा

इंटरनेट कंपनी गूगल+ से विकी गंडोत्रा ने 24 अप्रैल 2014 को इस्तीफा दे दिया. वह गूगल+ के प्रमुख के तौर पर अपनी सेवाएं दे रहे थे. वह कंपनी में वर्ष 2007 से कार्यरत थे. गूगल+ वर्ष 2011 में शुरु हुई एक सोशल नेटवर्क साइट है.

विकी गंडोत्रा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास के पूर्व छात्र हैं. इससे पहले विक गंडोत्रा माइक्रोसॉफ्ट मंर कंपनी के लिए डेवलपर्स के संबंधों को संभालने का काम करते थे.

गूगल की शुरुआत करने के अलावा गंडोत्रा ने कंपनी में डेवलपर्स के वार्षिक सम्मेलन गूगल आईओ को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई थी. पहला गूगल आईओ 2008 में आयोजित किया गया था. हालांकि गूगल के पास 500 मिलियन से भी ज्यादा यूजर्स हैं लेकिन अभी भी यह फेसबुक की तरह यूजर्स को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा है.

गूगल+ एक सोशल नेटवर्किंग और पहचान सेवा है जिसका स्वामित्व और संचालन अधिकार गूगल इंक के पास है. फेसबुक के बाद यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा नेटवर्किंग साइट है. 540 मिलियन सक्रिए यूजर्स इस आईडेंटिटी सर्विस साइट का हिस्सा हैं और गूगल के जीमेल, 1 बटन और यूट्यूब कमेंट के जरिए सामाजिक रूप से एक दूसरे से बातचीत करते हैं.

समिति/आयोग

- के एस राधाकृष्णन समिति

के एस राधाकृष्णन समिति

सर्वोच्च न्यायालय ने न्यायाधीश न्यायमूर्ति के एस राधाकृष्णन की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन 22 अप्रैल 2014 को किया. इस समिति को दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या पर काबू पाने और सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए किए गये उपायों की निगरानी करना है.

इस समिति के अन्य सदस्य पूर्व केंद्रीय परिवहन सचिव एस सुंदर और केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट, सीआरआरआइ) की पूर्व मुख्य वैज्ञानिक डॉ निशि मित्तल हैं.

समिति को केंद्र व राज्य सरकारों और संबंधित एजेंसियों से इस सम्बन्ध में सुझाव लेकर जुलाई 2014 (तीन महीने में) तक सर्वोच्च न्यायालय को अपनी रिपोर्ट सौंपना है.

सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र व सभी राज्य सरकारों और सड़क सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारियां संभालने वाले सभी विभागों को समिति से सहयोग करने का निर्देश दिया. केंद्र एवं राज्य सरकारों को समिति को ड्राइविंग लाइसेंस, वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र, उनकी यात्री व सामान वहन क्षमताओं और सड़क सुरक्षा उपकरणों के उपयोग संबंधी मौजूदा नियमों के बारे में सूचित करने एवं यातायात नियमों के पालन की स्थिति और यातायात पुलिस व आरटीओ कर्मियों की संख्या, सड़क सुरक्षा के मौजूदा नियम–कानूनों आदि के बारे में वस्तुस्थिति से अवगत कराने का निर्देश दिया. साथ ही उन्हें वर्तमान नियम–कानूनों व व्यवस्था की कमियां और उन्हें दूर करने के उपाय का भी निर्देश दिया.

सर्वोच्च न्यायालय ने केन्द्र सरकार से राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन बोर्ड विधेयक 2010 को कानूनी रूप देने का निर्देश दिया ताकि इस बोर्ड का गठन किया जा सके और सड़क दुर्घटनाओं के हताहतों को अधिक मुआवजा दिया जा सके.

चर्चित व्यक्ति

- मोहम्मद बदी
- रस्किन बांड
- जॉन 23वें एवं जॉन पॉल द्वितीय
- संत सिंह चटवाल

मोहम्मद बदी

मोहम्मद बदी मिस्र की मुस्लिम ब्रदरहुड नामक पार्टी के प्रमुख नेता हैं। उन्होंने 2010 से अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम ब्रदरहुड संस्था की मिस्र शाखा का नेतृत्व किया है। जनरल गाइड बनने से पहले बदी 1996 से समूह की संचालन परिषद, गाइडेंस ब्यूरो के सदस्य थे। उन्हें 20 अगस्त 2013 को मिस्र के अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया। 28 अप्रैल 2014 को उन्हें अन्य 682 लोगों के साथ फांसी की सजा सुनाई। ये सभी लोग मिश्र के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद मुर्सी के समर्थक हैं। बदी पर 2013 में मीन्या में एक पुलिस स्टेशन पर हमला करने का आरोप है। इस हमले में एक पुलिसकर्मी मारा गया था।

बदी का जन्म औद्योगिक नगर अल–महल्ल अल कुब्रा में 7 अगस्त 1943 को हुआ। उन्होंने 1965 मे पशु चिकित्सा में डीग्री प्राप्त की।

रस्किन बांड

राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 26 अप्रैल 2014 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में लेखक रस्किन बांड, अभिनेता परेश रावल, टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस समेत 56 गणमान्य व्यक्तियों को पद्म सम्मान से सम्मानित किया.

योग का दुनिया भर में प्रचार–प्रसार करने के लिए जाने–माने योग गुरु बेल्लूर कृष्णामाचार सुंदराजा अइयंगर को पद्म विभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया. वहीं क्रिकेट खिलाड़ी युवराज सिंह, लेखिका अनीता देसाई और चित्रकार सुनील दास पद्म सम्मान पुरस्कार समारोह में नहीं पहुंच सके.

राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार राष्ट्रपति ने 1 पद्म विभूषण, 11 पद्म भूषण और 44 पद्मश्री सम्मान प्रदान किये. जिनमें जाने–माने वैज्ञानिक पी. बलराम, टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस, लेखक रस्किन बांड, जस्टिस दलवीर भंडारी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव तिरुमलचारी रामासामी को पद्म भूषण सम्मान दिया गया. इनके साथ ही साथ मैनेजमेंट गुरु मृत्युंजय बी. अथरैया, कृषि वैज्ञानिक मडप्पा महादेवप्पा, इसरो के चेयरमैन के. राधाकृष्णन, आइआइटी दिल्ली के प्रोफेसर विनोद प्रकाश शर्मा, लेखक व शिक्षाशास्त्री गुल मोहम्मद शेख को भी पद्म भूषण से सम्मानित किया गया. गुजराती विश्वकोष के संस्थापक दिवंगत धीरूभाई प्रेमशंकर ठाकेर को भी पद्म भूषण से नवाजा गया.

जॉन 23वें एवं जॉन पॉल द्वितीय

पोप फ्रांसिस ने 27 अप्रैल 2014 को दो सेवानिवृत पोप, जॉन 23वें एवं जॉन पॉल द्वितीय, को संत का दर्जा प्रदान किया. यह पहला ऐसा मौका है जबकि एक साथ दो पोप को संत (Saint) के सम्मान से सम्मानित किया गया. पोप फ्रांसिस ने वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स स्वायर में आयोजित एक समारोह के दौरान इस संबंध में घोषणा की.

पोप जॉन पॉल द्वितीय अक्टूबर 1978 से अप्रैल 2005 तक पोप थे जबकि पोप जॉन 23वें 1958 से जून 1963 तक पोप थे.

संत सिंह चटवाल

भारतीय–अमेरिकी होटल व्यवसायी संत सिंह चटवाल को 18 अप्रैल 2014 को अमेरिकी अदालत ने द्वारा स्ट्रॉ डोनर्स का उपयोग करके संघीय चुनावी कानून के उल्लंघन का दोषी करार दिया. एक स्ट्रॉ डोनर वह होता हैं जो किसी और के पैसे को अवैध रूप से अपने खुद के नाम पर अभियान में योगदान करने के लिए प्रयोग करता हैं. उन्हें न्यूयॉर्क के पूर्वी डिस्ट्रिक्ट में तीन उम्मीदवारों के लिए संघीय चुनाव अभियान के दौरान अट्ठारह लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक का योगदान जो की स्ट्रा डोनर्स के माध्यम से एकत्रित किया गया था के लिए संघीय चुनाव अभियान अधिनियम (श्चुनाव अधिनियमश) का उल्लंघन करने की साजिश करने के लिए दोषी पाया गया.

चटवाल ने वर्ष 2008 में बराक ओबामा के खिलाफ राष्ट्रपति चुनाव में भाग ले रहीं पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन के लिए कुल 10 लाख डॉलर चंदा जुटाया था.

निर्वाचित/नियुक्त

- राजीव सूरी
- मोहम्मद अकरम
- राजेंद्र मल लोढा
- एडमिरल आरके धवन
- विक्टर ऑर्बन
- मैरी लुईस कोलेइरो प्रेका

राजीव सूरी

नोकिया ने भारत में जन्मे 46 वर्षीय राजीव सूरी को अपना नया सीईओ नियुक्त किया है। भारतीय मूल के राजीव सूरी 23 साल से ज्यादा के इंटरनैशनल अनुभव के साथ अमेरिका के वायरलेस और वायललाइन इंडस्ट्री के सबसे ताकतवर लोगों में से एक हैं। सूरी अक्टूबर 2009 से ही नोकिया सोल्यूशंस ऐंड नेटवर्क्स (एनएसएन) के हेड हैं। नोकिया ने यह घोषणा माइक्रोसॉफ्ट के साथ उसकी डिवाइस बिजनस को बेचने की डील के खत्म होने के महज कुछ दिन बाद की गई है।

सूरी ने मंगलुरु यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। माइक्रोसॉफ्ट के नए सीईओ सत्य नडेला भी इस यूर्निवर्सिटी से ग्रेजुएट हैं। सूरी उन प्रमुख भारतीय हस्तियों में शामिल हो गए हैं जो कि दुनिया की कुछ प्रमुख कंपनियों की अगुवाई कर रहे हैं। इनमें पेप्सिको की चेयरमैन इंद्रा नूई, रेकिट बेंकिसर के मुख्य कार्यकारी राकेश कपूर, मास्टरकार्ड के अध्यक्ष अजय बंगा तथा ड्यूश बैंक के अंशु जैन हैं।

मोहम्मद अकरम

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 25 अप्रैल 2014 को पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेट खिलाड़ी मोहम्मद अकरम को पाकिस्तान क्रिकेट का मुख्य कोच नियुक्त किया. मोहम्मद अकरम को पाकिस्तान क्रिकेट का मुख्य कोच नियुक्त करने के पूर्व पाकिस्तान क्रिकेट के गेंदबाजी कोच के पद से सेवा मुक्त कर दिया गया.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की चयन समिति ने मोहम्मद अकरम को पाकिस्तान क्रिकेट का मुख्य कोच नियुक्त करने के साथ ही साथ पीसीबी राष्ट्रीय चयन समिति का सदस्य भी नियुक्त किया.चयन समिति की अध्यक्षता पूर्व पाकिस्तानी टेस्ट कप्तान मोइन खान ने की.

विदित हो कि पीसीबी ने चयन समिति के कुल 5 नए सदस्यों के नामों की घोषणा की. जिसमें अकरम के अलावा सलीम यूसुफ, वजाहातुल्लाह वस्ती, शोएब मोहम्मद और एजाज अहमद शामिल हैं.

सुरेश कुमार रेड्डी

विदेश मंत्रालय ने सुरेश कुमार रेड्डी को 23 अप्रैल 2014 को पहले भारतीय राजदूत के रूप में आसियान में नियुक्त किया. दक्षिण–पूर्व एशिया के राष्ट्रों के संगठन 'आसियान' (ASEAN) में नियुक्ति के पूर्व सुरेश कुमार रेड्डी इराक में भारत के राजदूत के रूप में कार्यरत थे.

विदित हो कि भारत अपने 'पूर्व की ओर देखो' नीति के तहत पिछले दो दशकों से

राजेंद्र मल लोढा

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेंद्र मल लोढा (आरएम लोढा) ने सर्वोच्च न्यायालय के 41वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में 27 अप्रैल 2014 को शपथ लिया. न्यायमूर्ति लोढा को राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई.

न्यायमूर्ति आरएम लोढा ने सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. सतशिवम का स्थान लिया. जिनका कार्यकाल 26 अप्रैल 2014 को समाप्त हो गया. न्यायमूर्ति लोढ़ा पांच महीने तक सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश रहेंगे. उनका कार्यकाल 27 सितंबर 2014 तक रहेगा.

न्यायमूर्ति लोढ़ा ने अपनी विधि की डिग्री जोधपुर विश्वविद्यालय से प्राप्त की तथा उन्होंने राजस्थान उच्च न्यायालय में वकालत की. उन्होंने केंद्र व राजस्थान सरकार के वकील के रूप में भी अपनी सेवा दी.

न्यायमूर्ति लोढ़ा को 31 जनवरी 1994 को राजस्थान उच्च न्यायालय में स्थाई न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया. उन्हें 16 फरवरी सन 1994 को बम्बई उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किया गया, जहां 13 साल तक वे रहे. 2 फरवरी 2007 को राजस्थान उच्च न्यायालय में उनका पुनः स्थानांतरण हुआ. 13 मई 2008 को न्यायमूर्ति लोढ़ा पटना उच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश नियुक्त हुए तथा 17 दिसंबर 2008 को वह पदोन्नत होकर सर्वोच्च न्यायालय पहुंचे. वह जोधपुर स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय से भी इसके कार्यकारी सदस्य के रूप में जुड़े रहे.

न्यायमूर्ति लोढ़ा ने कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई की, जिनमें कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितता से संबंधित मुकदमे भी शामिल हैं. इस मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने केंद्रीय जांच ब्यूरो 'सीबीआई' को मालिक की भाषा बोलने वाला पिंजड़े में बंद 'तोताश कहा था. ज्ञातव्य हो कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है.

'आसियान' पे अपना ध्यान केन्द्रित किये हुए है. वहीं वर्ष 2011 में भारत एवं 'आसियान' ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी हेतु 80 बिलियन अमेरिकी डालर का व्यापार साझेदारी प्रारंभ की.

भारत 'आसियान' को अपने व्यापार प्रसार का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र मानता है. इसके साथ ही साथ आसियान के साथ के द्विपक्षीय संबंध की मजबूती को भारत अपने सामरिक रणनीति के नजरिये से भी काफी महत्व देता है, जिसमें विशेष कर म्यांमार के साथ का बेहतर द्विपक्षीय संबंध भारत को उत्तर पूर्व में उग्रवादी की समस्या से निपटने में काफी मददगार साबित हो सकता है. भारत के पूर्वोत्तर राज्य 'आसियान' के लिए प्रवेश द्वार माने जाते है. जिनके माध्यम से भारत पूरे देश को 'आसियान' के साथ संपर्क स्थापित करने के पक्ष में है.

दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन 'आसियान' 10 दक्षिण–पूर्व एशियाई देशों का समूह है, जो आपस में आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने हेतु कार्य करते हैं. इसकी स्थापना 8 अगस्त सन 1967 को थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में की गई थी. वर्तमान में 'आसियान' का मुख्यालय इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में है. इसके संस्थापक सदस्य थाईलैंड, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस और सिंगापुर थे. ब्रुनेई इस संगठन में वर्ष 1984 में एवं वियतनाम वर्ष 1995में शामिल हुआ. वहीं वर्ष 1997 में लाओस और बर्मा इसके सदस्य बने.

1994 में 'आसियान' ने एशियाई क्षेत्रीय फोरम (एआरएफ) की स्थापना की. जिसका उद्देश्य सुरक्षा को बढ़ावा देना था. वर्तमान में अमेरिका, रूस, भारत, चीन, जापान और उत्तरी कोरिया सहित कुल 23 देश 'एआरएफ' के सदस्य हैं.

एडमिरल आरके धवन

17 अप्रैल 2014 को एडमिरल आरके धवन (राबिन के. धवन) पीवीएसएम एवीएसएम वाईएसएम एडीसी को भारतीय नौसेना का अध्यक्ष नियुक्त किया गया. मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने इनके नियुक्ति की मंजूरी प्रदान की. यह क्रम में 22वें अध्यक्ष हैं. एडमिरल राबिन के. धवन ने एडमिरल देवेंद्र कुमार जोशी (डीके जोशी) का स्थान लिया.

एडमिरल देवेंद्र कुमार जोशी (डीके जोशी) ने नौसेना पनडुब्बी आईएनएस सिन्धुरत्न में हुए हादसे के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए नौसेना अध्यक्ष पद से 26 फरवरी 2014 को इस्तीफा दे दिया था. एडमिरल देवेंद्र कुमार जोशी (डीके जोशी) के इस्तीफे के बाद से ही एडमिरल राबिन के. धवन भारतीय नौसेना के अध्यक्ष का कार्यभार संभाल रहे थे.

एडमिरल राबिन के. धवन इस पद पर नियुक्त होने वाले 20वें भारतीय हैं. भारत के प्रथम नौसेना प्रमुख जॉन टैलबोट सेविनम हॉल थे.

पश्चिमी कमान के कमांडर शेखर सिन्हा वरिष्ठता के क्रम में राबिन के. धवन से वरिष्ठ हैं. नौसेना प्रमुख के पद पर एडमिरल राबिन के. धवन का कार्यकाल मई 2016 तक है.

- एडमिरल राबिन के. धवन नौसेना में 1 जनवरी 1975 में शामिल हुए.
- वह नेविगेशन और डायरेक्शन के विशेषज्ञ हैं
- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से शिक्षा हासिल करने के बाद उन्होंने अमेरिका के नेवल वार कालेज में प्रशिक्षण प्राप्त किया.
- एडमिरल राबिन के. धवन जंगी पोत आईएनएस खुकरी, आईएनएस रंजीत, आईएनएस दिल्ली की कमान संभाल चुके हैं और पश्चिमी नौसेनिक कमान में चीफ स्टाफ ऑफिसर रहे हैं.
- वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के कमांडेट भी रहे हैं.

विक्टर ऑर्बन

8 अप्रैल 2014 को विक्टर ऑर्बन लगातार दूसरी बार चार वर्ष के कार्यकाल के लिए हंगरी के प्रधानमंत्री पद पर पुनःनिर्वाचित हुए. आम चुनावों के नतीजे घोषित किया गया था.

आम संसदीय चुनाव 6 अप्रैल 2014 को हुए थे. कुल मतों में से ऑर्बन की फीडेज पार्टी ने 199 में से 133 सीटें जीतीं. अत्तीला मेसटर्हाजी के लेफ्ट अलायंस ने 38 सीटों पर जीत हासिल की जबकि जोब्बिक पार्टी को 23 सीटें मिलीं.

हालांकि, फीडेज पार्टी ने दोदृतिहाई बहुमत हासिल किया और उसे सरकार बनाना है. बीस फीसदी वोट हासिल करने वाली विपक्षी जोब्बिक पार्टी ने यहूदी विरोधी, जातीय अल्पसंख्यकों से संबंधित चिंताओं को उठाया था.

1 जनवरी 2012 से प्रभाव में आए हंगरी के नए संविधान के बाद 2014 में हुआ यह आम चुनाव पहला चुनाव था. ऑर्बन हंगरी के प्रधानमंत्री पद पर सबसे पहले 1998 में और फिर 2010 में दूसरी बार चुने गए थे.

राष्ट्रहित की रक्षा और अपने सत्तावादी रूप की वजह से पहले से ही ईयू और विदेशी निवेशकों की आलोचना का सामना कर रहे ऑर्बन का लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए चुना जाना हंगरी और यूरोपीय संघ के बीच तनावपूर्ण संबंधों के लिए शुभ संकेत नहीं है.

मैरी लुईस कोलेइरो प्रेका

मैरी लुईस कोलेइरो प्रेका ने 4 अप्रैल 2014 को माल्टा के राष्ट्रपति पद की शपथ ली. राष्ट्रपति के लिए उनका नाम प्रधानमंत्री जोसेफ मस्कट ने सुझाया था और संसद में इसपर सहमति बन गई थी. कोलेइरो ने लेबर पार्टी के जॉर्ज अबेला का स्थान लिया जिनका कार्यकाल 4 अप्रैल 2014 को पूरा हो गया था.

प्रेका माल्टा की नौंवी और यूरोपीय संघ के देशों की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं. इसके अलावा 55 वर्षीय कोलेइरो माल्टा अब तक की सबसे कम उम्र की राष्ट्रपति भी हैं और इनका कार्यकाल आगामी पांच वर्षों का होगा. कोलेइरो लेबर पार्टी से सबंध रखती हैं और इन्होंने सामाजिक निति मंत्री के रूप में काम भी किया है. उनकी नियुक्ति के साथ विश्व में देशों की महिला प्रमुखों की कुल संख्या अब 21 हो गई है.

- माल्टा यूरोपीय संघ का भूमध्य सागर में स्थित सबसे छोटी राजधानी वाल्लेट्टा वाला दक्षिण यूरोपीय देश है.
- साल 1964 में माल्टा यूनाइटेड किंग्डम से स्वतंत्र हुआ था. माल्टा संसदीय प्रणाली वाला एक गणराज्य है और इसका लोक प्रशासन वेस्टमिंस्टर प्रणाली के जैसा ही है.
- माल्टा के राष्ट्रपति जिसके पास कोई भी कार्यकारी शक्तियां नहीं होती और वह सिर्फ एक प्रतीक की तरह काम करता है, का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है और इनकी पुर्नियुक्ति नहीं होती.
- साल 2014 में माल्टा गणतंत्र बनने की 40वीं वर्षगांठ मनाएगा.

निधन/मृत्यु

- अलबेला खत्री
- वी. के. मूर्ति

अलबेला खत्री

अलबेला खत्री मूल रूप से राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले के रहने वाले थे. उनकी कविता 'हमारा गुजरात' काफी प्रसिद्ध हुआ, जिसके लिए गुजरात सरकार ने उन्हें सम्मानित किया था. ज्ञातव्य हो कि हास्य कवि अलबेला खत्री इन्डियन लाफ्टर चौलेन्ज के चैम्पियन रह चुके थे.

वी. के. मूर्ति

7 अप्रैल 2014 को सिनेमेटॉग्राफर और दादा साहब फाल्के पुरस्कार विजेता वी. के. मूर्ति का बेंगलुरु में निधन हो गया. वह 91 वर्ष के थे. वी. के. मूर्ति, गुरु दत्त निर्देशित हिंदी फिल्म प्यासा और साहब, बीबी और गुलाम फिल्मों में सिनेमेटॉग्राफी के लिए प्रसिद्ध हुए थे.

विदित हो कि वी. के.मूर्ति भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान, दादा साहब फाल्के पुरस्कार से पुरस्कृत पहले फिल्म टेक्निशन थे. उन्हें वर्ष 2008 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया था.

वी.के.मूर्ति का जन्म 26 नवम्बर,1923 को मैसूर (कर्नाटक) में हुआ था. वी.के. मूर्ति मैसूर के दीवान, विश्वेश्वरैया द्वारा स्थापित बैंगलोर इंस्टीट्यूट से जुड़ थे. यहाँ इन्होंने सिनेमाटोग्राफी की शिक्षा ली और इसमें डिप्लोमा लिया.

एक कैमरामैन के रूप में उन्हें पहला मौका सिनेमाटोग्राफर द्रोणाचार्य के सहायक की तरह काम करते हुये मिला. पश्चिमी फिल्मों में प्रकाश और छाया के कलात्मक प्रयोगों से प्रेरणा लेते हुये वी.के.मूर्ति ने भारतीय फिल्मों में भी कई प्रयोग किये. वी.के.मूर्ति फाली मिस्त्री की कला से भी खासे प्रभावित थे. उन्होंने आरजू और उडन खटोला जैसी फिल्मों में मिस्त्री के सहायक की तरह काम किया और प्रकाश–बिंबों के साथ नये प्रयोग किये.

एक स्वतंत्र कैमरामैन के रूप में वी. के. मूर्ति की पहली फिल्म 1952 में गुरुदत्त के साथ श्जालश थी. इसके बाद मूर्ति ने गुरुदत्त की लगभग सभी फिल्मों में काम किया. कागज के फूल और साहिब, बीबी और गुलाम सरीखी फिल्में विस्तृत फ्रेमों और प्रकाश के बहुप्रयोगों के साथ अद्वितीय सिद्ध हुईं, जिनमें प्रकाश और छाया के प्रयोग कहानी का हिस्सा प्रतीत होते हैं. इन दोनों फिल्मों ने 1959 और 1962 में मूर्ति को श्सर्वश्रेष्ठ सिनेमाटोग्राफरश का फिल्म फेयर पुरस्कार दिलवाया.

खेल/खिलाड़ी

- इंडिया सुपर सीरीज बैडमिंटन
- चौथा राष्ट्रीय पुरुष जूनियर हॉकी खिताब 2014
- श्रीलंका ने टी–20 वर्ल्ड कप पर कब्जा किया

इंडिया सुपर सीरीज बैडमिंटन

मलेशिया के गत चैंपियन ली चोंग वेई ने 6 मार्च 2014 को 250000 अमेरिकी डॉलर की ईनामी राशि वाले इंडिया सुपर सीरीज बैडमिंटन में पुरुषों का एकल खिताब जीता. फाइनल में उन्होंने चीन के चेन लांग को सीधे सेटों में 21–13, 21–17 से मात दी. विश्व के नंबर एक खिलाड़ी चोंग वेई का यह इस सत्र में तीसरा खिताब है.

दूसरी तरफ महिलाओं की एकल प्रतिस्पर्धा में दूसरे नंबर की खिलाड़ी शिझीयांग वांग ने शीर्ष वरीयता प्राप्त ली जुईरुई को 22–20, 21–19 से शिकस्त दी. महिलाओं की युगल प्रतिस्पर्धा का खिताब चीन की युवानटिंग टैंग और यांग यू ने कोरियाई युगल क्युंग इयून जुंग और हा ना किम को 21–10, 13–21, 21–16 से हराकर जीता.

'चौथा राष्ट्रीय पुरुष जूनियर हॉकी खिताब 2014'

पंजाब ने 6 अप्रैल 2014 को चेन्नई में आयोजित 'चौथा राष्ट्रीय पुरुष जूनियर हॉकी खिताब 2014' को जीत लिया. चेन्नई (तमिलनाडु) में आयोजित चौथे राष्ट्रीय पुरुष जूनियर हॉकी खिताब 2014 के खिताबी मुकाबले में पंजाब ने ओड़िसा को 6–2 से पराजित किया. इस जीत के साथ ही पंजाब ने राष्ट्रीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम के रूप में अपना पहला स्थान बरकरार रखा.

ज्ञातव्य हो कि चौथे राष्ट्रीय पुरुष जूनियर हॉकी खिताब 2014 में तीसरा स्थान प्राप्त हरियाणा ने भारतीय खेल प्राधिकरण को 7–3 से पराजित किया.

- सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर – जुगराज (पंजाब)
- सर्वश्रेष्ठ डीप डिफेंडर – नीलम संजीव क्सेस (ओड़िसा)
- सर्वश्रेष्ठ मिडफिल्डर – सुमित (हरियाणा)
- सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड – जोशेफ टोप्पो (ओड़िसा)
- मैन ऑफ द टूर्नामेंट – हरजीत सिंह (पंजाब)

श्रीलंका ने टी–20 वर्ल्ड कप पर कब्जा किया

वर्ल्ड टी–20 फाइनल में जीत के लिए 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की टीम ने टी–20 वर्ल्ड कप पर कब्जा कर लिया है. श्रीलंका ने 13 गेंद शेष रहते ये जीत हासिल की. श्रीलंका की जीत में कुमार संगकारा ने सबसे ज्यादा 52 रनों का योगदान दिया. उन्होंने 35 गेंदों पर 6 चौके और एक छक्का लगाते हुए मैच का रूख श्रीलंका की तरफ मोड़ दिया. कुमार संगकारा के अलावा महेला जयवर्धने ने भी 24 रनों का उपयोगी पारी खेली.

दरअसल इस मैच में श्रीलंका के सामने जीत के लिए कोई बहुत बड़ा लक्ष्य था ही नहीं. तिलकरत्ने दिलशान ने 18 रनों की पारी खेली, जिसमें उनके चार चौके शामिल थे. दूसरे विकेट के रूप में तिलकरत्ने दिलशान को विराट कोहली ने कैच आउट किया. श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज कुसल परेरा सिर्फ 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए.

इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया.

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका के सामने जीत के लिए 131 रनों का लक्ष्य रखा. विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की और ताबड़तोड़ रन बटोरे.

विराट कोहली अंतिम ओवर के अंतिम गेंद पर 77 रन बनाकर रन आउट हुए.

कप्तान महेंद्र सिंह धोनी 4 रन बनाकर नाबाद रहे. कुल मिलाकर भारत का स्कोर रहा चार विकेट के नुकसान पर 130 रन

पहले विकेट के रूप में अजिंक्य रहाणे 3 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. उनकी जगह ली रन मशीन कहे जाने वाले भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने.

भारत का दूसरा विकेट गिरा मैच के ग्यारहवें ओवर में. रोहित शर्मा 29 रन बनाकर कैच आउट हो गए. उनकी जगह युवराज बल्लेबाजी के लिए आए.

18 ओवर में भारत का तीसरा विकेट गिरा और युवराज की जगह ली भारतीय क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने.

भारत और श्रीलंका की टीम सेमीफाइनल में क्रमशः दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज को हराकर फाइनल में पहुँची है.